संस्थापना स्थल
दाऊजी का मन्दिर
मैनपुरी

वर्ष 28
अंक-3-4

संस्थापित- 1909 ई0 पंजीयन सं0- K-277
अयोध्यावासी वैश्यों का शिरोमणि संगठन

अवध वणिक

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा (पंजी.) का मुखपत्र

सितम्बर
दिसम्बर - 2023
संयुक्तांक

॥ राम लला पुनि भव्य विराजे जनमभूमि पर मन्दिर साजे ॥

fok d

Souvenir 2023-24
ADITI ELECTRICALS
Manufacturer : Solar Light & Transformer Repairs
Solar Panels
25 year Warranty
Adani, goutam
& Waaree
Solar Rooftop Subsidy Under
MP Poorva Kshetra Vidyut Vitran Co. Ltd.
5 Year Warranty
Plant Capacity : 3 kw
Subsidy Amount : Rs. 51,893/-
Plant Capacity : 4 kw
Subsidy Amount : Rs. 58,948/-
Plant Capacity : 5 kw
Subsidy Amount : Rs. 67,369/-
Plant Capacity : 6 kw
Subsidy Amount : Rs. 75,790/-
Plant Capacity : 7 kw
Subsidy Amount : Rs. 84,212/-
Plant Capacity : 8 kw
Subsidy Amount : Rs. 92,633/-
Plant Capacity : 9 kw
Subsidy Amount : Rs. 10,1054/-
Plant Capacity : 10kw
Subsidy Amount : Rs. 10,9475/-
Our Service
Residential Solar
Commercial Solar
Fast work & Servicing
Affordable Price
Free Site Survey
1 to 3 kw 40% Subsidy
& 4 to 10 kw 20%
Subsidy
Contact us :
9425153336
7509292122
9424394642
Head Office : 105, A.P.R. Colony, Katanga, Jabalpur (M.P.), Ph. : 0761-4924408
Factory : 9/14, IT Park, Bargi Hills, Jabalpur (M.P.)
E-mail : rajeshguptaaditi@gmail.com
Our Site : Jabalpur Katni Umaria Shahdol Anuppur Dindori Mandla Narsinghpur
Seoni Chhindwara Satna Rewa Sidhi Singroli

अवध वणिक

अवध वणिक पत्रिका प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनायें

अभि टी० कम्पनी

123, एक्सप्रेस रोड, कानपुर

★★★

ए.पी. ट्रान्सपोर्ट कम्पनी

मौरंग मण्डी, बिनगवाँ, कानपुर

मनोज गुप्ता (गुड्डू)

राष्ट्रीय अध्यक्ष-अ.भा. अयोध्यावासी वैश्य नव युवक संघ
राष्ट्रीय महामंत्री- महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान
मो. : 9839067922

राजेश गुप्ता

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-अखिल भारतवर्षीय
श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा
मो. : 9935117922

श्री बाबा वैधनाथ टूर एण्ड ट्रेवेल्स

सलोन, रायबरेली (उ.प्र.)

मो. नं. 9839040485

गुड्डू : 8887566686

अमन : 9696893472

गुड्डू कौशल

संयोजक - अयोध्यावासी वैश्य अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा

नोटः सभी प्रकार की तीर्थयात्रा जैसे चारधाम यात्रा, ज्योर्तिलिंग, अमरनाथ यात्रा, पशुपतिनाथ यात्रा, गंगा सागर, मेंहदीपुर बालाजी, तिरूपति बालाजी, रामेश्वर, मैहर, वैष्णो देवी, नीम करौली, गया, जगन्नाथपुरी आदि सभी यात्राओं के लिये सम्पर्क करें।

अवध वणिक

अयोध्यावासी वैश्यों का अपना,
खुनखुन जी का होटल

RADICAL PALACE, LEGEND INN & ECOTEL HOTEL ARE BOUTIQUE HOTELS STRATEGICALLY LOCATED WITHIN LUCKNOW'S POSH & COMMERICAL HUB, WALKING DISTANCE FROM RAILWAY STATION AND A FEW MINUTES DRIVE FROM CHAUDHARY CHARAN SINGH AIRPORT. BOTH ARE MOST SUITABLE FOR CORPORATE AND SOCIAL VERY. THEY OFFER THE BEST IN COMFORT AND, ROOMS PROVIDE SOMETHING EXTRA FOR VALUABLE GUESTS.

वैश्य समाज के लिए विशेष छूट

VENUE

RADICAL PALACE HOTEL: Opp. Hanuman Gadi Mandir, Naka Hindola Chauraha, Lucknow - 226004 | Contact No: +91-522-4009872 | web: www.radicalpalace.com

LEGEND INN HOTEL: CP 17, Viraj Khand, Gomti Nagar, Lucknow- 226010 | Contact No: 0522-4012544 | web. www.legendinnlko.com

ECOTEL HOTEL : Behind Charbagh Bus Stand, Lucknow, U.P. - 226004 (India) Contact No: 0522-431 3941 | web. www.ecotellko.com

Khunkhun Gupta Ji: 08887670690

BOOK POST PRINTING MATTERPOSTED UNDER Clauses 114(7)OF POSTER GUIDE PART -1

कृपया पत्रिका अवितरित होने
पर निम्न पते पर वापस करे

सुनील कुमार गुप्ता (महामंत्री)
अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा (पंजी.)
1001, अयोध्यापुरी,
रायबरेली उ.प्र.–229001
मो.: 7905702507

सेवा मे,
श्री/श्रीमती, ...
....
....

अवध वणिक

समाज के गौरव

श्री शत्रोहन वैश्य आई.ए.एस. बने

समाज के गौरव एवं श्री मणिकुण्डल भूषण सम्मान से अलंकृत श्री शत्रोहन वैश्य ने इस नवरात्रि-दीपावली को समाज के लिये एक गौरवपूर्ण उपलब्धि प्रदान की है। वर्तमान में कानपुर विकास प्राधिकरण के सचिव रूप में कार्यरत श्री शत्रोहन वैश्य PCS से IAS प्रोन्नत हुये। यह क्षण वास्तव में सम्पूर्ण समाज को रोमांचित एवं गौरवान्वित करने वाला है। सूचना प्राप्त होते ही सम्पूर्ण देश के अयोध्यावासी वैश्य समाज में हर्ष की लहर दौड़ गयी। इस अवसर पर महासभा निदेशक एवं महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के संस्थापक /संरक्षक उमाशंकर गुप्त के नेतृत्व में पार्षद दुर्गा प्रसाद गुप्त (राष्ट्रीय संगठन मंत्री-संस्थान) मनोज गुप्ता, गुड्डू (राष्ट्रीय अध्यक्ष- नवयुवक संघ), सुशील गुप्ता (प्रदेश कोषाध्यक्ष-महासभा), रामसेवक गुप्ता (नगर अध्यक्ष-संस्थान), अमित कौशल (मीडिया प्रभारी) इत्यादि कार्यकर्ताओं ने कार्यालय जाकर उन्हें बधाई दी तथा उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। श्री राम कथा के मंच पर शंकराचार्य स्वामी आत्मानन्द सरस्वती जी ने भी शत्रुहन वैश्य जी को रामदरबार भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया।●●●

सम्पूर्ण वैश्य समाज को नेतृत्व देने की दिशा में कदम बढ़ाता अयोध्यावासी वैश्य समाज

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन®
International Vaish Federation
Connecting Vaish World Over ...... For Community Empowerment

स्व. श्री रामदास जी अग्रवाल
पूर्व सांसद एवं संस्थापक अध्यक्ष

नियुक्ति पत्र/Appointment Letter
Date: 01/01/2024

डॉ. अजय गुप्ता
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
Dr. Ajay Gupta
Lucknow (Uttar Pradesh)

संयुक्त महामंत्री
नियुक्त किया जाता है।
is being appointed
JOINT SECRETARY GENERAL

Dr. Ashok Agrawal
International President

Valid upto : 31/10/2026

H. O.: 516, 5TH FLOOR, DLF STAR TOWER, SECTOR-30, GURUGRAM, HARYANA-122001 9770010101
info@vaishivf.com www.vaishivf.com twitter.com/vaish_ivf www.facebook.com/VaishIVF

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डा० अजय गुप्ता को अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन)(IVF) का राष्ट्रीय संयुक्त महामन्त्री (National Joint Secretary General) घोषित किया गया है। उक्त घोषणा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल ने उन्हे उत्तराखण्ड, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी भी नियुक्त किया है। ज्ञातव्य है कि डा० अजय गुप्ता अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन की उत्तरप्रदेश इकाई के प्रदेश महामन्त्री के रूप मे सर्व वैश्य एकता के हेतु समर्पित हैं। उन्हे उ० प्र० के महामन्त्री के साथ साथ राष्ट्रीय संयुक्त महामन्त्री के रूप मे सात प्रदेशों का प्रभार मिलना बड़ी सफलता है। वस्तुत उनका मनोनयन अयोध्यावासी वैश्य समाज के लिए गर्व की बात है। अयोध्यावासी वैश्य समाज को गौरवान्वित करने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल को धन्यवाद तथा डा ०अजय गुप्ता जी को कोटि कोटि बधाई।

अवध वणिक

सर्किट हाउस अयोध्या में श्री आदेश गुप्ता पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, दिल्ली का स्वागत करते हुए श्री देशराज कौशल, श्री कमल कौशल, श्री सुनील कौशल, आलोक गुप्ता आदि।

अयोध्या के स्वजातीय मन्दिर के भव्य निर्माण हेतु बैठक में अवध वणिक के अंक का विमोचन करते हुए देशराज कौशल साथ में उमाशंकर गुप्ता, डा. अजय गुप्ता, देवी चरण कौशल (मंदिर अध्यक्ष), लाल जी कौशल और अजीत प्रकाश गुप्ता आदि

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री बनने पर डा. अजय गुप्ता का स्वागत करते हुए श्री के.सी. गुप्ता, अवनीश कौशल, अशोक गुप्ता, संजीव गुप्ता तथा फर्रूखाबाद के तमाम स्वजातीय बन्धु।

आई. वी. एफ. के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल का लखनऊ एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए डा. अजय गुप्ता, उमाशंकर गुप्ता, अमित वार्ष्णेय तथा अन्य समाजसेवी

मध्यप्रदेश के दौरे पर महासभा कोषाध्यक्ष श्री दीपचन्द्र गुप्ता तथा आई.टी.सेल संयोजक श्री सुनील गुप्ता (चित्रकूट) द्वारा अवध वणिक सम्पादक श्रीमती अनामिका गुप्ता के आवास पर विचार–विमर्श करते हुए।

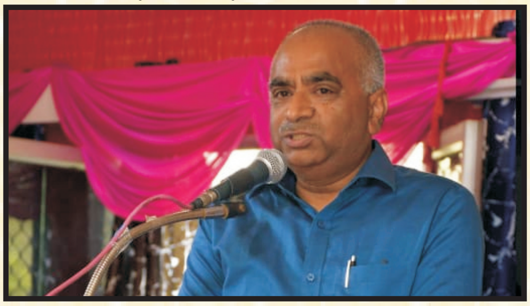

पूरे देश में महासभा संगठन को मजबूत करने के लिए भ्रमण करते हुए समाजबन्धुओं को सम्बोधित करते हुए महासभा कोषाध्यक्ष श्री दीपचन्द गुप्ता (देहरादून)

श्री देवेन्द्र नागपुर की पुत्री प्रियांशी देवेन्द्र कश्यप ने मिस महाराष्ट्र प्रतियोगिता 2023 में 2nd रनर् अप का खिताब पाकर समाज को गौरवान्वित किया। महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

समाज प्रेमी श्री अशोक कौशल जी की बेटी आयुष्मती सोनाली सोनी ने पी.सी.एस.जे परीक्षा पास कर समाज को गौरवान्वित किया है। वे सिविल जज नियुक्त हुई हैं। महासभा की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

महासभा द्वारा आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा के कुछ दृश्य

अन्तर्राष्ट्रीय महासम्मेलन में महाकाव्य महामानव की धूम

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के **(IVF)** 21 अगस्त 2023 को NDMC कन्वेशन सेन्टर दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यसमिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्याम जाजू तथा व्यापारी कल्याण बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंधी एवं नीना मित्तल (विधायक-पंजाब), को महासभा कार्याध्यक्ष एवं **IVF** के प्रदेश महामंत्री डा. अजय गुप्ता, प्रदेश मंत्री श्री नीरज गुप्ता (पार्षद), अमित वार्ष्णेय, जितेन्द्र गोयल, अल्पना गुप्ता तथा तमाम प्रदेश पदाधिकारियों ने अयोध्यावासी वैश्य कुलोत्पन्न रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी के जीवन पर उमा शंकर गुप्त द्वारा रचित महाकाव्य ''महामानव'' की प्रतियाँ भेंट की। ज्ञातव्य है कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी द्वारा आशीर्वाद प्राप्त इस महाकाव्य की सराहना क्षेत्र संघचालक श्री वीरेन्द्र जीत सिंह एवं राम तुलसी भक्त पं बद्रीनारायण तिवारी ने भी की। उ.प्र. हिन्दी संस्थान द्वारा भी पुरस्कृत किया गया है। IVF पदाधिकारियों ने महामानव की प्रस्तुति देख अयोध्यावासी वैश्य समाज के प्रति श्रद्धा एवं नमन व्यक्त किया।

अवध वणिक

कानपुर में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह के कुछ दृश्य

श्री राजकुमार जी (आई. ए. एस.) महामानव महाकाव्य भेंट करते हुए उमाशंकर गुप्ता एवं डा. अजय गुप्ता

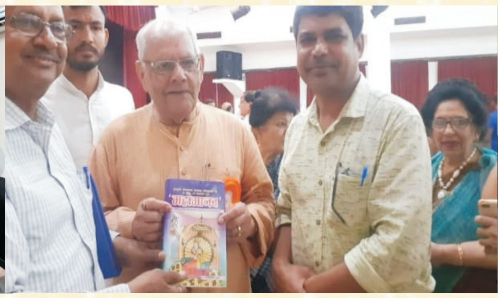

हिन्दी भाषाविद् डा. सूर्य प्रसाद दीक्षित को महामानव महाकाव्य भेंट करते हुए उमाशंकर गुप्ता एवं डा. शशिकान्त द्विवेदी गोपाल

श्री नाथद्वारा मंडल (राजस्थान) द्वारा उमा शंकर गुप्त को साहित्यिक सेवाओंके लिए उपाधि प्रदान करते हुये श्री श्याम देवपुरा साथ में कवि विनोद त्रिपाठी

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा (पंजीकृत)
का मुखपत्र
''अवध वणिक''

वर्ष–28, अंक–2

सम्पादक मण्डल

अध्यक्षः
राजेश गुप्ता
जबलपुर (म.प्र.)
मो. : 9425153336

कार्याध्यक्षः
डा. अजय गुप्ता
लखनऊ
मो. : 9794107000

महामंत्री
सुनील कुमार गुप्ता
रायबरेली
मों.: 7905702507

कोषाध्यक्षः
दीप चन्द्र गुप्ता
देहरादून
मो.: 7906881843

प्रधान संपादकः
उमाशंकर गुप्त
कानपुर
मो.: 9918125333

प्रबंध सम्पादकः
राम कुमार गुप्त
जबलपुर
मो.: 8989980131

सम्पादकः
अनामिका गुप्ता
सतना
मो. : 9179108045

सहसम्पादकः
सिद्ध गोपाल प्रभाकर
कानपुर – 9838106313
सुभाष गुप्ता
कटनी – 9179449179
प्रदीप गुप्ता (प्रवक्ता)
कानपुर – 9450274184
डा. गोविन्द स्वरूप गुप्ता
लखनऊ – 9335257117
कृष्ण मुरारी गुप्ता
दिल्ली – 9873544488
नीरज गुप्ता(ज्योतिषाचार्य)
जबलपुर – 9926654376

प्रधान सम्पादक की कलम से

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा की पत्रिका '' अवध वणिक'' का नवीन अंक आपकी सेवा में प्रस्तुत है। शताधिक वर्षीय महासभा समाज की राष्ट्रभक्ति, रामभक्ति एवं स्वत्व जागरण का उद्घोष करने का पर्याय है। अपने स्थापना काल से देश की आजादी तक स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका जहाँ समाज की राष्ट्रभक्ति की परिचायक है, वहीं त्रेतायुग में प्रभु श्री राम जी के साथ वनगमन एवं 14 वर्षो तक निरन्तर रामखोज रामभक्ति का उद्घोष करता है। श्री मणिकुण्डल जी के रूप में त्याग, समर्पण, सत्य व धर्म पर आस्था के प्रतीक अयोध्यावासी वैश्य समाज में आज भी राम, राष्ट्र एवं समाज के लिये समर्पित रहने का भाव है। महासभा इन्ही भावों का संवहन करती है।

किसी भी व्यक्ति, संस्था या उत्पाद की लोकप्रियता को देखकर कुछ लोगों में उसके नकल करने का भाव प्रायः आने लगता हैं। यह नकल प्रवृत्ति यदि सकारात्मक हो तो कोई बात नही परन्तु यदि नकारात्मक दिशा में जाती है तो निश्चय ही हानिकारक होती है। महासभा की लोकप्रियता से वशीभूत हो कुछ लोग छद्म संगठन एवं चरित्रहनन के प्रयास में लगे हैं। परन्तु समाज का प्रबुद्ध वर्ग सब देख रहा है। यहाँ यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि महासभा को ईश्वरीय कृपा प्राप्त है कि समय -समय पर बाधाओं के बावजूद महासभा आगे बढ़ी है। महासभा के नेतृत्वकर्ताओं ने सदैव-

''वह पथ क्या और पथिक भी क्या, जिस पथ पर बिखरे शूल न हों
नाविक की कार्यकुशलता क्या यदि धारायें प्रतिकूल न हों।''

सिद्धांत को स्वीकार किया और समाज को आगे बढ़ाया।

अतएव सकारात्मक सोच रखने वाले सभी संगठनों एवं समासेवियों के कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने वाली महासभा सदैव समाज संगठन एवं उत्थान हेत प्रयासरत है। आगे भी रहेगी। ''अवध वणिक'' का यह पुष्प इसी दिशा में एक कदम है। आशा है आपको पसन्द आयेगा। अपने विचारों से भी कृपया अवगत करायें जिससे अगला अंक और अधिक उपयोगी बन सके।

उमाशंकर गुप्त
प्रधान सम्पादक
मो. 9918125333

पत्रिका हेतु लेख, समाचार, पत्र व्यवहार एवं विज्ञापन के लिये महासभा के महामंत्री सुनील कुमार गुप्ता को निम्न पते पर प्रेषित करे।
सुनील कुमार गुप्ता (महामंत्री–महासभा) 1001 अयोध्यापुरी, रायबरेली उत्तर प्रदेश

अध्यक्षीय

हमारे समाज के बन्धुओं एवं बहिनों,

अयोध्यावासी वैश्य समाज एक श्रेष्ठ समाज है। हम सबको गर्व है कि हम सबका जन्म अयोध्या में हुआ है। अयोध्या, अयोध्यावासी वैश्य प्रभु श्री राम एवं भक्त मणिकुण्डल हमारे श्रद्धा, आदर्श एवं गर्व के आधार है। आगामी पौषपूर्णिमा तदनुसार 25 जनवरी 2024 को मणिकुण्डल जी की जयन्ती है। हम सबको उनकी जयन्ती धूमधाम से मनानी चाहिए।

आप सबसे अपील है कि समाज के शिरोमणि संगठन अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के साथ जुड़े महासभा के सदस्य बनें और समाज की एकता एवं संगठन को मजबूत करें।

सहयोगी आकांक्षा सहित

राजेश गुप्ता

अध्यक्ष

■■■

शुभकामना-संदेश

सुधी स्वजन, अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के समाचार पत्र अवधवणिक के इस अंक के माध्यम से नूतन वर्ष 2024 के अवसर पर आप एवं आपके परिवार की खुशहाली की मंगलकामना करते हैं। वर्तमान युग में महासभा की गतिविधियों की जानकारी प्रसारित करने एवं सामाजिक जनों के मध्य सम्पर्क बनाने के अनेक माध्यम हो गये हैं। इसके बावजूद अवधवणिक में प्रेरणादायी लेख व अयोध्यावासी वैश्य जनो की प्रगति की जानकारी के साथ-साथ महासभा की गतिविधियों को विवरण पढ़कर अयोध्यावासी वैश्य समाज के द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी समाज को मिलती है। आगामी महाराजा मणिकुण्डल जयन्ती की हार्दिक बधाई और शुभकामनायें प्रेषित करते हेतु आग्रह करते हैं कि संगठित रहें और भावी पीढ़ी को सुशिक्षित व सुसंस्कारित बनायें। सादर प्रणाम।

निवेदक

दीपचन्द गुप्ता

(कोषाध्यक्ष)

■■■

प्रस्तुति-

अनामिका

लेखिका सम्पादिका शिक्षिका

Lkx r uo'k

उदय भानु की प्रथम किरण,
पूरब दिशा आलोकित आज।
मन यौवन में तेजजगाकर,
आई नववर्ष सुहानी रात।।

भुला सको तो भुला दो उनको,
जो खोया गुजरे पल प्यार।
बाह पसारे खड़ा सामने,
वर्तमान ओजस्व प्रकाश।।

वेगवान अश्व समय का,
चलता रहा पवन के साथ।
बीता कल कुछ पल में,
उल्लास वर्तमान संग आज।।

उम्मीदें आशाएँ नित नित
नयी उमंगे नयी बयार।
इस रवि की पहली किरण का,
करें स्वागत नव वर्ष के साथ।।

स्वागत है आगत नववर्ष का,
स्वागत मधुर मिलन के साथ।
स्वागत उर नूतन स्वप्न का,
स्वागत पुष्प सुगंधित वात।।

महामंत्री की अपील

बन्धुओं,

अखिल भारतीयवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा का यह 115वाँ वर्ष है। इस मध्य 33 अधिवेशन सम्पन्न हो चुके हैं। हम कह सकते हैं कि एक शताब्दी से अधिक समय से महासभा समाज का शिरोमणि संगठन है। यद्यपि मानव जीवन के समान इसके जीवनकाल में भी तमाम उत्थान पतन देखने को मिले। अधिक सक्रियता, कम सक्रियता रूपी आरोहण अवरोहण के बावजूद महासभा सतत चलायमान रही। कई बार समानान्तर संगठन बनाने के असफल प्रयास हुये, आज भी हो रहे हैं। दर असल महासभा सम्पूर्ण समाज का संगठन है जिसमें सम्पूर्ण देश का प्रतिनिधित्व एवं सक्रियता बिना किसी क्षेत्रवाद या भेदभाव के होता है। प्रत्येक कार्यकाल में इसका उद्देश्य समाज की एकता एवं जनकल्याण का रहा है। पिछले कालखण्डों पर निगाह डाले। आप पायेंगे कि शिवराज चूड़ीवाले (वर्धा) हो, गुलाब गुप्ता (जबलपुर) या कमल भैय्या (कानपुर) वीरेन्द्र नाथ (एटा) मदनचन्द्र कश्यप का कालखण्ड हों अथवा राजकुमार राज (बांदा), उमाशंकर गुप्ता (कानपुर), दुर्गाप्रसाद गुप्त (पूना), सनत कुमार गुप्ता (नागपुर) का कालखण्ड हो सभी में समाजोत्थान के प्रयास किये गये। इन्हीं कालखण्डों में समाज का इतिहास अष्टलक्ष्मी महायज्ञ, रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी का फिल्मांकन, युवा सम्मेलन, महाकाव्य रचना इत्यादि तमाम उपलब्धियाँ उपरोक्त अध्यक्षो के नेतृत्व में महासभा ने प्राप्त की। यहाँ उल्लेखनीय है कि उस समय भी समाज के नकारात्मक तत्वों ने तमाम बाधायें उत्पन्न कर, अप्रिय माहौल पैदा करने का प्रयास किया। परन्तु अन्ततः विफल रहे। उसी प्रकार वर्तमान में किये जा रहे उनके नकारात्मक प्रयास भी पुनः विफल हो जायेगे,ऐसा मेरा विश्वास है।

आइये, सकारात्मक सोच रखें। इसी दृष्टि से वर्तमान कार्यकाल में दो विशेष सफल प्रयास महासभा ने किये। राजनीति में अपने समाज की भागीदारी बढ़ाने, प्रभावी भूमिका लाने के लिये महासभा ने इतिहास में पहली बार राजनैतिक पृष्ठभूमि का कार्यक्रम किया। जिसमें उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश में अपने समाज से विजयी जनप्रतिनिधियों (चेयरमैन, पार्षद, सभासद) का अभिनन्दन-सम्मान समारोह का आयोजन कानपुर में किया गया जिसमें 58 लोगों को प्रशस्ति-पत्र, उत्तरीय आदि से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम से समाज में एक नई राजनैतिक चेतना का संचार हुआ।

इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परस्पर परिचय सम्पर्क के लिये अन्तर्राष्ट्रीय तीर्थयात्रा का आयोजन भी महासभा द्वारा किया गया। अयोध्या से प्रारम्भ होकर काठमाण्डु जनकपुरी होते हुए विभिन्न स्थानों पर अयोध्यावासी वैश्य परिवारों से सम्पर्क किया गया। यह अभिनव प्रयास था। ऐसा प्रयास भी पहली बार किया गया।

महासभा का रथ प्रवाहमान है। सभी प्रदेशों, नगरों, कस्बों में समाजसेवी इकाइयों को प्रेरित करते रहना महासभा का उद्देश्य है तथा बड़ी संस्था होने के नाते दायित्व भी है। इसी परिप्रेक्ष्य में स्मरण दिलाना चाहेंगे कि इस वर्ष पौष पूर्णिमा 25 जनवरी 2024 ई0 को हैं। आप लोग अपने-अपने घरों में मणिकुण्डल जयन्ती पर पूजन करें जयन्ती मनायें, साथ ही अपने-अपने क्षेत्रों में धूमधाम से जयन्ती समारोह का आयोजन करें। समारोह का समाचार प्रकाशनार्थ स्थानीय समाचारपत्रों और महासभा को प्रेषित करें।

महासभा के सदस्य बनकर समाज की एकता, उत्थान एवं संगठन में सहभागी बनें, इसी निवेदन के साथ-

सुनील गुप्ता
महामंत्री-महासभा

आगामी वर्षो में मणिकुण्डल जयन्ती तिथियाँ

प्रस्तुति–**राजकुमार राज**
निदेशक – महासभा

रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी सम्पूर्ण अयोध्यावासी वैश्य समाज के गौरव हैं, मानबिन्दु हैं। उनके रूप में हम सब गौरव का अनुभव करते हैं कि हम सब रामभक्त हैं, राष्ट्रभक्त है। अर्थात् मणिकुण्डल जी का जीवनवृत्त घोषणा करता है कि अयोध्यावासी वैश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति के रक्त के एक-एक कण में रामभक्ति, राष्ट्रभक्ति त्रेतायुग से आज तक प्रवाहित हो रही हैं। अयोध्यावासी वैश्यों के ऐसे शिरोमणि रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी की जयन्ती हम सब लोगों को प्रत्येक वर्ष मनानी चाहिये। इस अवसर पर एकल एवं सामूहिक पूजन, शोभायात्रा, गोष्ठी, समारोह इत्यादि का आयोजन किया जाना चाहिये। संक्षेप में आगामी कुछ वर्षो में मणिकुण्डल जयन्ती की तिथियां निम्न प्रकार हैं।

पौष पूर्णिमा 2080	विक्रमी	तदनुसार 25 जनवरी	2024 ई0 गुरूवार
पौष पूर्णिमा 2081	विक्रमी	तदनुसार 13 जनवरी	2025 ई0 सोमवार
पौष पूर्णिमा 2082	विक्रमी	तदनुसार 03 जनवरी	2026 ई0 शनिवार
पौष पूर्णिमा 2083	विक्रमी	तदनुसार 22 जनवरी	2027 ई0 शुक्रवार
पौष पूर्णिमा 2084	विक्रमी	तदनुसार 12 जनवरी	2028 ई0 बुधवार
पौष पूर्णिमा 2085	विक्रमी	तदनुसार 31 दिसम्बर	2028 ई0 रविवार
पौष पूर्णिमा 2086	विक्रमी	तदनुसार 19 जनवरी	2030 ई0 शनिवार
पौष पूर्णिमा 2087	विक्रमी	तदनुसार 08 जनवरी	2031 ई0 बुधवार
पौष पूर्णिमा 2088	विक्रमी	तदनुसार 27 जनवरी	2032 ई0 मंगलवार
पौष पूर्णिमा 2089	विक्रमी	तदनुसार 15 जनवरी	2033 ई0 शनिवार
पौष पूर्णिमा 2090	विक्रमी	तदनुसार 04 जनवरी	2034 ई0 बुधवार
पौष पूर्णिमा 2091	विक्रमी	तदनुसार 23 जनवरी	2035 ई0 गुरूवार
पौष पूर्णिमा 2092	विक्रमी	तदनुसार 13 जनवरी	2036 ई0 रविवार
पौष पूर्णिमा 2093	विक्रमी	तदनुसार 2 जनवरी	2037 ई0 शुक्रवार
पौष पूर्णिमा 2094	विक्रमी	तदनुसार 21 जनवरी	2038 ई0 गुरूवार
पौष पूर्णिमा 2095	विक्रमी	तदनुसार 10 जनवरी	2039 ई0 सोमवार
पौष पूर्णिमा 2096	विक्रमी	तदनुसार 29 जनवरी	2040 ई0 रविवार

|çHk/khj e,dkH Drfdk| .dMy

प्रस्तुति –
सिद्ध गोपाल प्रभाकर
निदेशक–महासभा

भारतीय संस्कृति एवं दर्शन तमाम ऋषियों, मुनियों, वेत्ताओं के अध्ययन, शोध एवं श्रद्धा के दीर्घकालीन प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने हम सब को बताया और हम सबने अनुभव में पाया कि अखिल विश्व का संचालन अनादि काल में एक दिव्यशक्ति के द्वारा संचालित हो रहा हैं। यह दिव्यशक्ति अदृश्य रूप में त्रिदेव एवं अवतारी रूप में रामकृष्ण इत्यादि रूप में अनुभव की जाती हैं। प्रभु श्रीराम के जीवन का अध्ययन करने पर उनके संघर्षपूर्ण जीवन एवं महान कृतित्व के दर्शन होते हैं। उनके इन्हीं महान कृतित्वों से वे साधारण राजकुमार के बजाय ईशत्व के रूप में पूज्य हैं। उनके व्यक्तित्व की चर्चा करते हुये महाकाव्य '' महामानव'' में लिखा है–

''परम प्रभु, जग के संचालक, सृष्टि–रचयिता, जीवन–मर्म।
निराकार साकार स्वरूपा, हे प्रकाश के पुंज सुकर्म।।
प्रबल प्रयासी, प्रेम प्रर्वतक, मर्यादा के साधक राम।''
अखिल ब्रहम में सूक्ष्म सूक्ष्मतर, विस्तारों में बसते राम ।।''

ऐसे प्रभु श्रीराम के लौकिक जीवन में महाराजा दशरक्ष द्वारा वन गमन का आदेश देना क्रान्तिकारी घटना थी। वनवास आदेश की जानकारी मिलने पर अयोध्या के निवासी बेचैन हो गये। खण्ड काव्य 'प्रणवीर मणिकुण्डल' में अयोध्यावासियों की दशा का चित्रण किया गया है–

'' जैसहि कान सुनो वनवास, फाटि गई छाती न चैन परो।
एक से एक रहे बतियात, सुनावत राजहि खोटी खरी।।''
ज्ञानी की बुद्धि परे पथरा, फंसि रानहि जाल बने मछरी।
फूटे अयोध्या के भाग्य सखी, दैव सहाय धौं कैसे करी।।''

वस्तुतः अयोध्या का पूरा जनमानस सम्राट के इस निर्णय से व्याकुल हो चुका था। इस सन्दर्भ में अयोध्या के नगरसेठ मणि कौशल एवं उनके पुत्र मणिकुण्डल के वार्तालाप का प्रसंग उद्धारणीय है–

''अहो! इतना क्यों चिन्तामग्न, हमारे पिता महाराज।
अहो् इतना व्याकुल क्यों आज, बतावें इसका क्या है राज।
सुनी नन्हें बालक की बात हुये मणिकौशल अधिक उद्विग्न।
हमारे राम जा रहे आज, यही है मेरा अन्तः विघ्न।
राम को नहीं है यह वनवास, यह तो है अवधपुरी वनवास।
समझ में कुछ भी आता नहीं, राम बिन कैसे होगा वास।
मणिकुण्डल ने पिंतु चिन्तासुन, इकक्षण में मात्र विचार किया।
यदि सघन, सम्मिलित हो प्रयास, साफल्य निकट अधिकार लिया।
बालक पितु से पुनि बोल उठा, मत सोचो अब कुछ कर डालो।

अरु अवधजनों की बैठक कर निर्णय कठोर कुछ ले डाले।

मण्डल की बैठक बुला तभी, सब वणिक जनों ने सुविचार।

आराध्यहीन आराधक सम, हम अवध छोड़ देंगे सारा।''

गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी लिखा है '' भयऊ विकल बड़ वनिक समाज। बिनु रघुवीर अवध नहि काजू।'' अर्थात् अयोध्या की सम्पूर्ण प्रजा दुखी थी। परन्तु वैश्य समाज ज्यादा दुखी था। नगरसेठ मणि कौशल के पुत्र मणिकुण्डल की प्रेरणा से बैठक में अयोध्या छोड़ने का निर्णय वस्तुत अयोध्यावासी वैश्य समाज की अपार रामभक्ति एवं श्रद्धा का परिचायक हैं इसी रामभक्ति के कारण ही मणिकुण्डल जी ने आहवाहन किया।

''जहाँ राम तहँ अवध है, नहीं अवध बिनुराम। राम संग वन अवध है, अवध बचा क्या काम ।।''

इसी संकल्प के कारण मणिकुण्डल जी के नेतृत्व में अयोध्यावासीवासी भी वन को चल दिये। एक रात्रि प्रभु श्री राम-सीता लक्ष्मण के चुपचाप चले जाने पर भी अपने संकल्प के कारण पूरे देश में राम जी की खोज में भटकते है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि प्रभु श्री राम को अयोध्यावासी भगवान का अवतार मानते हैं। प्रभु श्री राम और मणिकुण्डल जी का सम्बन्ध भगवान और भक्त का था। मणिकुण्डल जी को लंकापति विभीषण द्वारा जब जानकारी मिली कि 14 वर्ष की वनवास अवधि पूर्ण होने एवं लंकाविजय के पश्चात प्रभु श्री राम अयोध्या के राजसिंहासन पर राजारूप में विराजमान हो चुके हैं मणिकुण्डल जी अपने माता-पिता एवं पत्नी सहित अयोध्या गये। प्रभु श्रीराम का दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

ब्रहमपुराण, वैश्याणाम गौरवः वैश्य समुदाय का इतिहास भारतीय जातिकोश, महामानव, प्रणवीर मणिकुण्डल, रामभक्त कवितावली इत्यादि ग्रन्थों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मणिकुण्डल जी सत्यानुरागी, धर्मप्रिय रामभक्त थे। विभिन्न ग्रन्थों में उनकी धर्मनिष्ठा, क्षमाशीलता, कुशल शासक, कला, साहित्य, क्रीड़ा प्रोत्साहन के तमाम उदाहरण मिलते है।

जहाँ राष्ट्रीय एकता एवं संस्कृति के अखिल राष्ट्र में संवहन के प्रयास उनके रामभक्त के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं मातृभूमि के प्रति प्यार का भाव के दर्शन कराते है, वही उत्तम चरित्र, गणित, ज्योतिष, खगोल, नीति, व्यापारनीति राजनीति, उनकी विद्वता का डंका पीटते है। राजा बनने के बाद भी राम-दर्शन करना उनके रामप्रेम और रामभक्ति के दर्शन कराती है।

मेरा मानना है कि राम एवं राम नाम हमारे श्रद्धा एवं भक्ति के केन्द्र हैं, हमारी आस्था विश्वास का प्रतीक हैं वहीं परम भक्त हनुमान जी एवं मणिकुण्डल निस्वार्थ रामभक्ति के अनुपम उदाहरण है। अतएव हम कह सकते है कि-

भावना जब भक्ति की होती प्रबल, भगवान से तब भक्त का होता मिलन।

भक्त भगवान हो गए एकात्म है, सि(ता ज्यों सिन्धु में हो हिम गलन।।

प्रभु श्री राम को नमन, रामनाम का स्मरण जहाँ मुक्ति प्रदाता है वहीं रामभक्त के प्रति श्रद्धानवत होना राम के निकट जाने का मार्ग सुगम करता है। राम और रामभक्त को नारायण और नर, पुंज और प्रकाश के रूप में देखा जाना चाहिये। अतः हम प्रभु श्री राम, भक्तराज हनुमान एवं मणिकुण्डल को प्रणाम करते है। ■■■

महासभा महामंत्री का मध्यप्रदेश महाराष्ट्र दौरा

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता ने समाज को जागत करने के लिये पूरे देश का दौरा किया इस परिपेक्ष्य में पहले उन्होंने मुम्बई में श्री सुरेश गुप्ता और श्री मुकेश रूपवाल के संयोग से रूपवाल जी के यहा एक बैठक आयोजित की। जिसमें मुम्बइ के समाज बन्धुओं ने महामंत्री जी का स्वागत किया तथा इस अवसर पर महामंत्री जी ने नगर सभा मुम्बई का गठन करते हुए उन्हें सामाजिक कार्यक्रम करने की प्रेरणा प्रदान की।

इसी श्रंखला में दिसम्बर 2023 को महामंत्री जी ने भोपाल का दौरा किया इस दारे में श्री अयोध्यावासी वैश्य रामजानकी मंदिर भोपाल में अयोध्यावासी वैश्य महिला मण्डल की राष्ट्रीय महिला महामंत्री उषा ने एक बैठक का आयोजन किया। जिसमें मध्यप्रान्तीय सभा एवं नगर सभा भोपाल के अध्यक्ष श्री अशोक अम्बर ने शाल और श्रीफल देकर महासभा, महामंत्री का स्वागत किया। बैठक में निर्णय हुआ कि इस बार भोपाल में भी महाराजा मणिकुण्डल जी की जयंती धूमधाम से मनायी जायेगी। बैठक में प्रमुख रूप से श्री हरि नारायण गुप्ता, श्री संतोष गुप्ता, श्री सुरेश गुप्ता, श्री शैलेष गुप्ता, प्रदीप गुप्ता सहित तमाम महिला और पुरूष समाजसेवियों ने भाग लिया।■■■

रामभक्त अयोध्यावासी वैश्य समाज के प्रतीक भोज बाबा

अयोध्यावासी वैश्य समाज प्रभु श्री राम के वन गमन के समय से रामभक्त रहा है। मणिकुण्डल जी के नेतत्व में राम जी के साथ वनगमन करना और चौदह वर्षो तक राम जी की खोज करना उसकी रामभक्ति का प्रमाण है यह रामभक्ति समाज में आज भी विद्यमान है आज के 35वर्ष पूर्व जब राम जन्मभूमि आन्दोलन प्रारम्भ हुआ था उस समय भोपाल निवासी एक अयोध्यावासी वैश्य ने संकल्प लिया कि जब तक अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में राम लला का भव्य मंदिर स्थापित नहीं हो जाता तब तक मैं विवाह नहीं करूगा। उसकी यह प्रतिज्ञा मणिकुण्डल जी की उस प्रतिज्ञा के समान है जिसमें उन्होंने बिना राम के अयोध्या वापस नहीं आने का संकल्प लिया था। भोपाल जो कि भोज नगरी के नाम से वर्णित है इसीलिए उन्हें लोग भोज बाबा कहने लगे। पिछले दिनों भोपाल में नगर सभा के द्वारा उनकी त्याग और रामभक्ति के लिये भोज बाबा का अभिनन्दन वंदन किया गया। ■■■

'श्री मणिकुण्डल भूषण '' सम्मान से अलंकृत समाज के सितारे

प्रस्तुति – रामचन्द्र गुप्ता चन्दी बाँदा
उपाध्यक्ष–महासभा

समाज अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाने और संरक्षित करने वाला समूह है जिसकी परम्परा और अनुशासन से राष्ट्रीय संस्कृति का निर्माण, रक्षण एवं संरक्षण होता है। अयोध्यावासी वैश्य समाज प्रभु श्रीराम के समय से त्यागी, तपस्वी एवं रामभक्त रहा है। नगर सेठ मणिकौशल जी और महाराजा मणिकुण्डल जी सहित तत्कालीन हमारे पूर्वज हम सबकी श्रद्धा के पात्र है जिन्होंने

'' जहाँ राम तहँ अवध है, नहीं अवध बिनुराम।

राम संग वन अवध है, अवध बचा क्या काम।'

इसी भावना के तहत अपना समाजअपनी सुख सुविधा व्यापार आदि छोड़ कर पूरे देश में राम खोज में भटका और जहाँ भी रहा प्रभु श्रीराम का स्मरण करता रहा। ऐसे उत्कृष्ट वैश्य समाज में त्याग, तपस्या एवं समाजसेवी भावना के कारण तमाम समाजसेवी होते रहे है। जहाँ सन्तमहाकवि आभानन्द ने समाज का मान बढ़ाया है वहीं अन्य समाजसेवियों ने समय-समय पर समाज को प्रकाशित किया है। महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान समासेवियों को ''श्री मणिकुण्डल भूषण' सम्मान से अलंकृत करता है। 'श्री मणिकुण्डल भूषण' सम्मान से अलंकृत हमारे विशिष्ट समाजसेवियों का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है।

1. डॉ0 हरिओम – उत्तर प्रदेश से आई.ए.एस. बनकर अयोध्यावासी वैश्य समाज का मस्तष्क गर्वोन्वित करने वाले डा0 हरिओम जी कटारी जि0 सुल्तानपुर निवासी श्री चन्द्रमा प्रसाद जी के पुत्र है। सन् 2012 ई0 में अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष महाराजा मणिकुण्डल जी के जीवन पर आधारित फिल्म 'रामभक्त मणिकुण्डल' के लोकार्पण (प्रामियर शो) के अवसर पर महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान द्वारा आपको 'श्री मणिकुण्डल भूषण सम्मान' से अलंकृत किया गया।

श्री मणिकुण्डल भूषण सम्मान' किसी क्षेत्र विशेष में शिखर अभिषिक्त होने के उपलक्ष्य में दिया जाता है। जहाँ उन्होंने गीत-गजल संगीत में महारथ हासिल की वही प्रशासनिक सेवा में भी महत्वपूर्ण स्थान बनाया। है

ज्ञातव्य है कि डा0 हरि ओम जी वर्तमान में प्रमुख सचिव (उ0प्र0 शासन) उस समय कानपुर नगर के जिलाधिकारी थे। डा0 हरिओम जी अयोध्यावासी वैश्य समाज की निधि है। उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' से सम्मानित कर समाज गौरव की अनुभूति करता है।

2. श्री शत्रोहन वैश्य –फैजाबाद-अब अयोध्या जनपद में अयोध्यावासी वैश्य परिवार में जन्में श्री शत्रोहन वैश्य (शत्रुघ्न कौशल) बचपन से मेधावी रहे हैं। प्रशासनिक सेवा के प्रति उनके लगाव ने उत्तर प्रदेश PCS में मेरिट में उन्हें उच्च स्थान प्रदान किया। हर्ष का विषय है कि पत्रिका प्रकाशित होने के समय वे PCS से प्रोन्नत होकर IAS हो गये हैं। इस प्रकार हम सब कह सकते है कि उन्होंने समाज का मान सम्मान बढ़ाकर समाज की छवि को सराहनीय बनाया है।

श्री विश्वेश्वर वैश्य के पुत्र और ''श्री मणिकुण्डल रत्न'' अलंकृत देशराज कौशल के दामाद श्री शत्रोहन जी मृदुभाषी, सरल, सौम्य व्यक्तित्व के धनी है। ''रामभक्त मणिकुण्डल'' फिल्म का प्रीमियर शो हो अथवा

''महामानव'' महाकाव्य का लोकार्पण समारोह सभी में अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति आपके समाज प्रेम का स्पष्ट प्रमाण है। आपकी पत्नी श्रीमती रूबी कौशल भी समाजसेवा के कार्यो में प्रोत्साहन देती हैं। आप वर्तमान में कानपुर विकास प्राधिकरण के सचिव रूप में राष्ट्रसेवा में संलग्न है। आपको वर्ष 2011 ई0 में महाराजा मणिकुण्डल सेवा सं स्थान द्वारा ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

3. श्री राजेन्द्र कौशल– गुरसहायगंज निवासी श्री राजेन्द्र कौशल सच्चे समाजसेवी एवं सम्मानित व्यक्ति थे। महासभा के उपाध्यक्ष एवं मणिकुण्डल सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रहे श्री राजेन्द्र कौशल जी (अब दिवंगत) ने उत्तर प्रदेश, बंगाल इत्यादि प्रदेशों में रहकर न केवल अयोध्यावासी वैश्य समाज वरन् मानव मात्र के लिये तमाम परोपकारी कार्य किये । राम, मणिकुण्डल के सच्चे भक्त के रूप में उन्होंने मणिकुण्डल जी की कृपा की तमाम घटनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव किया। जिन्हें वे अपने संस्मरण में सुनाते रहे।

ऐसे मणिकुण्डल भक्त समाजसेवी श्री राजेन्द्र कौशल जी को संस्थान द्वारा कानपुर में आयोजित समारोह में श्री मणिकुण्डल भूषण सम्मान से अलंकृत किया गया। अपने महान कृतित्व के कारण वे हम सबके दिलों में सदैव अमर रहेंगे।

4. श्री धर्मेन्द्र कौशल–गुरसहायगंज समाजसेवा की ललक एवं समाज के लिये कुछ करने का भाव बाल्यकाल से ही जिनके मन में रहा है ऐसे धर्मेन्द्र कौशल ने समाज की युवाशक्ति के रूप में समाज को प्रेरणा दी है। पितामह श्रद्धेय श्री गोपाल दादा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में राष्ट्रसेवा के व्रत का संकल्प लिया था। उन्हीं के पौत्र धर्मेन्द्र जी ने, फर्रूखाबाद, कन्नौज, मैनपुरी, एटा, बदायूँ इत्यादि जनपदों में युवाओं में समाजसेवा का आन्दोलन खड़ा किया। साथ ही औषधि व्यापार (Medicine Trade) में आदर्श स्थापित करते हुये उच्च शिखर पर पहुँचे। इन्हीं सेवाओं के कारण उन्हें वर्ष 2011 ई0 में '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

अलंकरण के पश्चात भी उनके समाज सेवा रथ का वेग बढ़ता गया। अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के महामंत्री पद पर निर्वाचन एवं सफल संवहन जहाँ उनकी कार्यशैली का प्रतीक है वही '' रामभक्त मणिकुण्डल फाउन्डेशन ट्रस्ट'' का गठन और उसके अध्यक्ष रूप में किये गये व्यावहारिक समाज कार्य समाज के प्रति सच्चे समर्पण के स्वयमेव प्रमाण है। समाज को उनसे भविष्य में भी बहुत आशाये हैं।

5. श्री अशोक राजा–(म0प्र0)– म0प्र0 शासन में मुख्यमंत्री एवं विभिन्न मन्त्रियों के साथ सचिव रूप में सम्बद्ध रहने वाले श्री अशोक राजा के मन में सदैव समाज के लिये कुछ नया करने का भाव रहा है। महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने म0प्र0 के अनेकानेक स्थानों में अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष महाराजा मणिकुण्डल जी का प्रचार-प्रसार किया और भव्य जयन्ती समारोहो का आयोजन करवाया। उनके इसी समाजसेवा भाव तथा शासन में अयोध्यावासी वैश्यों की पहचान बनाने के परिप्रेक्ष्य में 'रामभक्त मणिकुण्डल'' फिल्म के कानपुर में आयोजित भव्य समारोह में ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' अलंकरण से उन्हें सम्मानित किया गया। सरकारी सेवा से निवृत्त होकर श्री अशोक राजा वर्तमान में संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ महासभा के निदेशक के रूप में समाज की सेवा कर रहे है।

6. श्री दुर्गेश कौशल-(मुम्बई)- मुम्बई में समाज सेवा के प्रतीक रहे श्री सत्यनारायण जी के सुपुत्र श्री दुर्गेश कौशल ने समाज की युवाशक्ति के मन में पनप रहे समाज सेवाभाव का प्रस्फुरण किया है। उन्होंने सिद्ध किया कि यदि युवाशक्ति जाग जाये तो कुछ भी कठिन नहीं है। समाज सेवा के अलावा व्यापारिक एवं अन्य क्षेत्र में भी ऊंचाइयाँ छूने वाले दुर्गेश कौशल का मुम्बई के समाजप्रेमी बन्धुओं में प्रमुख स्थान है। 'इसी कारण उन्हें भी संस्थान द्वारा '' श्री मणिकुण्डल भूषण' से सम्मानित किया गया।।

7. सनत कुमार- भारतीय संस्कृति के संवाहक, आदर्शों के प्रतिरूप, गहन चिन्तक, समाजमनीषी श्री सनत कुमार जी का जन्म एवं निवास नागपुर हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने उनके मानस में राष्ट्रसेवा, समाजसेवा के संस्कार देकर उन्हें वास्तव में सन्त पुरुष बना दिया है। ऊँचाइयों को प्राप्त करने वाले महासभा के तत्कालीन (सन् 2011 ई0 में) मुख्य संगठक एवं बाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सनत कुमार गुप्त को सन् 2011 ई0 में ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से संस्था ने सम्मानित किया। 'होनहार बिरवान' के होत चीकने पात' कहावत सदृश उनकी प्रतिभा का, समर्पण का, विचारों का एवं सामाजिक उत्कर्ष का सम्मान किया। वे विश्व हिन्दु परिषद की गौ सेवा के महाराष्ट्र गोवा प्रभारी तथा देवलापार स्थित गौ अनुसंधान केन्द्र के संचालक एवं सचिव/निदेशक है। इस अनुसंधान केन्द्र द्वारा गौ दुग्ध, गौ मूत्र, गोबर इत्यादि से तमाम औषधियों एवं मानव हितकारी उत्पाद राष्ट्र को अमृतमय उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

8. इंजी. आर.डी. गुप्ता- भारत सरकार के केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) में मुख्य अभियन्ता (Chief Engineer) एवं निदेशक (Director) जैसे शीर्षस्थ पदों को सुशोभित करने वाले श्री रामधनी गुप्ता, फर्रूखाबाद के बागकूचा मुहल्ले के मूल निवासी है। अपनी प्रतिभा के बल पर उन्होंने अभियन्त्रण क्षेत्र में शीर्ष स्थान प्राप्त कर समाज का गौरव तो बढ़ाया ही है साथ ही समाज के तमाम युवाओं को व्यक्तिगत रुचि लेकर अपने विभाग मेंअभियन्ता पद पर नियुक्त भी कराया है। अभियन्त्रण क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर प्राप्त करने एवं व्यवहार में समाज के युवाओं के सहयोग करने की पृष्ठभूमि के सन् 2011 ई0 में ही इंजी. नियर आ0डी0गुप्ता को ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

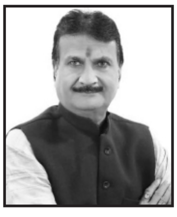

9. इंजी. विनोद गुप्ता राजपुर जि0 फर्रूखाबाद के मूल निवासी श्री विनोद गुप्ता ने महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (2009-2013) के रूप में समाज में सक्रिय योगदान किया। साथ ही महाराजा मणिकुण्डल जी का दिल्ली में प्रचार-प्रसार किया। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में इंजी. आर0डी0 गुप्ता के सहयोग से अवर अभियन्ता के रूप में भर्ती विनोद जी सहायक अभियन्ता के रूप में प्रोन्नत हुये। समाज कार्य एवं सफल अभियन्ता कार्यो को देखते हुये उन्हें श्री मणिकुण्डल भूषण से सन् 2011 ई0 को कानपुर में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। बाद में इंजी. विनोद गुप्ता महासभा के अध्यक्ष भी निर्वाचित हुये।

10. श्री ओ.पी. गुप्ता सन् 2011 ई0 में बस्ती के तत्कालीन तहसीलदार एवं सम्प्रति एस.डी.एम श्री ओ.पी. गुप्ता अयोध्यावासी वैश्य समाज के उन प्रमुख शखशियत हैं, जिन्होंने अध्ययन के उपरान्त प्रशासनिक सेवा को अपना आधार बनाया तथा अपने उत्कृष्ट कार्यो से प्रोन्नति करते हुये समाज को

गौरवान्वित किया। उनके मन में समाज के लिये दर्द है तथा समाज के लिये बहुत कुछ करने का जज्बा भी है। ऐसे समाजसेवी व्यक्तित्व को कानपुर समारोह में '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' से अलंकृत कर समाज के अन्य समाजसेवियों को समाज के लिये कुछ करने का मौन सन्देश भी दिया गया।

11. श्री उमाशंकर गुप्ता अतर्रा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष, महासभा के तत्कालीन उपाध्यक्ष एवं वर्तमान निदेशक श्री उमाशंकर गुप्ता समाज के लिये चौबीस घंटे समर्पित रहते है। आप चित्रकूट स्थित श्री अयोध्यावासी वैश्य मन्दिर व धर्मशाला ट्रस्ट के प्रबंधक हैं। आपके कार्यकाल में धर्मशाला स्थित मन्दिर का भव्य निर्माण हुआ। समाज तथा समाज के बाहर के तमाम अराजक तत्वों से मोर्चा लेकर धर्मशाला एवं समाज के लिये समर्पित उमाशंकर गुप्ता जी आज भी चित्रकूट धर्मशाला की सेवा में संलग्न हैं। आपके कार्यकाल में ही चित्रकूट मन्दिर में मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापित हुई। आपका समाज प्रेम सर्वविदित है। आपके इसी कृतित्व एवं व्यक्तित्व को देखते हुये उन्हें भी ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से संस्थान द्वारा अलंकृत किया गया।

12. श्री उमाशंकर कौशल-(संदना) जि. हरदोई निवासी उमाशंकर गुप्ता सरलता, सौम्यता के प्रतिमूर्ति है। उन्होनें महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के आहवाहन पर संदना में महाराज मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापित की। इसी परिप्रेक्ष्य में सन् 2011 में उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से कानपुर समारोह में सम्मानित किया गया। बाद में उनके सहयोग से नैमिषारण्य महातीर्थ में स्वामी हरिहरानन्द जी के आश्रम में अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापना एक अन्य समारोह में की गई।

13. श्री बद्री प्रसाद गुप्ता-(बुद्धनसेठ) समाज के गढ़ कहे जाने वाले टिकैत नगर जि0 बाराबंकी में स्वजातीय मन्दिर में भव्य समारोह कर महाराजा मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापना (जिसमें श्री एस.एल. वैश्य एडवोकेट डा0 अजय गुप्ता मुख्य अतिथि थे) की। इनके पुत्र श्री राजू गुप्ता, कन्हैया गुप्ता और ओम गुप्ता भी समाज कार्य में रूचि लेकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे बद्री प्रसाद जी को कानपुर समारोह 2011 ई0 में '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत कर समाज और संस्थान धन्य हो गया।

14. श्री राम प्रकाश कौशल (भर्थना) मूलतः भर्थना जि0 इटावा के निवासी श्री राम प्रकाश कौशल जीवट व्यक्तित्व के समाजसेवी थे। उन्होंने तमाम सामूहिक विवाहों का आयोजन किया। इसके साथ ही श्रद्धेय कमल भैया के निधन के पश्चात समाज में लोकप्रिय '' मंगलतारा'' का प्रकाशन बन्द हो जाने पर श्री रामप्रकाश जी ने '' कौशलतारा'' नाम से पत्रिका का जीवन के अन्तिम समय तक प्रकाशन किया। फिल्म ''रामभक्त मणिकुण्डल'' में भी मणिकुण्डल जी के प्रति श्रद्धाभाव के कारण रोल किया। इसी कारण फिल्म के प्रीमियर शो के समयआयोजित सम्मान समारोह में उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

15. श्री कमल कौशल- अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा हो या मणिकुण्डल सेवा संस्थान अथवा अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर अयोध्या फैजाबाद व्यापार मण्डल सभी में अपनी कर्मठता से अनवरत सक्रिय रहने वाले श्री कमल कौशल तेजस्वी व्यक्तित्व के धनी हैं।

पूर्वी उत्तरप्रदेश में मणिकुण्डल जी के प्रचार-प्रसार एवं महासभा के सांगठनिक स्वरूप को सुदृढ़ करने में उनका विशेष योगदान है। अनर्गल प्रलाप करने वाले समाज के असामाजिक तत्वों को कड़ा सन्देश देने वाले कमल जी अयोध्या स्थित मणिकुण्डल जी के जन्मस्थली पर बने स्वजातीय मन्दिर को विश्वस्तरीय भव्य बनाने हेतु ट्रस्ट बनाकर निर्माण कराने हेतु प्रयत्नशील है। ऐसे समाजसेवी कमल कौशल जी को कानपुर समारोह में ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से सम्मानित कर संस्थान ने उनके प्रति समाज का आभार व्यक्त किया है।

16. श्री राजकुमार जी–खगड़िया बिहार में जन्मे उत्तरप्रदेश के पीसी एस आफीसर श्री राजकुमार जी के मन में समाज के प्रति समर्पण भाव है। कानपुर के उप जिलाधिकारी के रूप में उन्होंने सदैव समाज का सहयोग किया है। श्री वर्तमान में आई.एस. आफीसर के रूप में श्री राजकुमार जी उत्तरप्रदेश शासन में निदेशक (Director) के रूप में अपनी सेवायें दे रहे हैं ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व के धनी राजकुमार जी को प्रशासनिक सेवा क्षेत्र में शिखर अभिषिक्त होने के उपलक्ष्य में उन्हें '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया है। वस्तुतः वे समाज का गौरव हैं, समाज की निधि हैं।

17. श्री रामचन्द्र गुप्ता– महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रामचन्द्र गुप्ता कानपुर के सक्रिय समाजसेवी है। कानपुर में सन् 2011 में श्री मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापना हो अथवा ''रामभक्त मणिकुण्डल'' फिल्म के प्रीमियर शो में योगदान देने वाले रामचन्द्र गुप्ता को सन् 2011 में ही उनकी विशिष्ट तथा समाजसेवा की उच्चस्तरीय सेवा के लिये उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

18. श्री बैजनाथ गुप्ता– रथयात्रा के कार्यक्रमों में अपने समाज की मंडली निकालकर एवं मणिकुण्डल जी की झांकी निकालकर सर्वसमाज में अयोध्यावासी वैश्य समाज का प्रचार करने वाले कानपुर निवासी बैजनाथ जी को भी 2011 के '' श्री मणिकुण्डल कवितावली के लोकार्पण समारोह के अवसर पर ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

19. श्रीमती रीता अवधिया–मध्यप्रदेश में समाज की महिलाशक्ति की प्रतीक श्रीमती रीता अवधिया न केवल सिवनी वरन् सम्पूर्ण क्षेत्र में समाजसेवा की पर्याय हैं। सम्प्रति में महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान म0प्र0 की प्रदेशमंत्री हैं। भोपाल के एक समारोह में उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से सम्मानित कर समाज ने मातृशक्ति का अभिनन्दन एवं आदर व्यक्त किया हैं। उनसे अभी समाज को बहुत आशायें हैं।

20. श्री एस.एल. वैश्य, एडवोकेट– समाज के लिए कुछ करने का भाव मन में जिनके सदैव रहता है ऐसे श्री सिद्धार्थलाल वैश्य (लखनऊ) पेशे से अधिवक्ता हैं। उन्होंने समाज के अयोध्या मन्दिर के लिये कई मुकदमें की पैरवी भी की है। सन् 2009 में महासभा द्वारा आायोजित शिखर सम्मेलन के आप संयोजक रहे। वर्तमान में महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाये दे रहे हैं। संस्थान द्वारा सन् 2011 में ही ''श्री मणिकुण्डल भूषण''सम्मान से आपको सम्मानित कर समाज स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है।

21. श्री दिनेश कौशल– लखनऊ निवासी श्री दिनेश कौशल काँच व्यापारी (Glass Traders) हैं। हैदरगंज, लखनऊ में कौशल ट्रेडर्स के नाम से आपने बड़ा व्यापारिक साम्राज्य स्थापित किया है। आपके समाजसेवा भाव एवं समर्पण के दृष्टिगत आपको किसी क्षेत्र में शीर्षपर पहुँचने पर दिए जाने वाले संस्थान द्वारा सन् 2011 में ही ''श्री मणिकण्डल भूषण''सम्मान से आपको सम्मानित किया गया।

22. श्रीमती मीना गुप्ता– अयोध्यावासी वैश्य समाज के सामाजिक इतिहास में मील का पत्थर साबित हुए सन् 2011 में कारसेवक पुरम् अयोध्या में सम्पन्न '' श्री अयोध्यावासी वैश्य अष्ट लक्ष्मी यज्ञ एवं स्वाभिमान महाकुंभ में महासभा की तत्कालीन राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती मीना गुप्ता को ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से सम्मानित किया गया। श्रीमती मीना गुप्ता ने म0प्र0 शासन में पी.सी.एस. अधिकारी के रूप में समाज का नाम रोशन किया है। आपकी समाजसेवा रुचि प्रशंसनीय है।

23. श्री दिलीप गुप्ता– भोपाल निवासी श्री दिलीप गुप्ता रियल स्टेट के क्षेत्र में एक बड़ा नाम है अयोध्या के अष्टलक्ष्मी महायज्ञ में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया था। रियल स्टेट के क्षेत्र में शीर्ष पुरुष के रूप में ख्याति प्राप्त कर अयोध्यावासी वैश्य समाज का मान बढ़ाने के लिए संस्थान द्वारा उन्हें '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अयोध्या की पावन भूमि में सम्मानित किया गया।

24. श्री नीरज गुप्ता–श्री अयोध्यावासी वैश्य सामूहिक विवाह के अध्यक्ष श्री नीरज गुप्ता ने तिर्वा के प्रतिष्ठित मन्दिर में महाराजा मणिकुण्डल जी की मूर्ति स्थापित कर उनके दैनिक पूजन व प्रतिवर्ष जयन्ती मनाने का अनवरत कार्य कर रहे है। उनके मन में समाज के प्रति सच्चा प्रेम है। समाज के लिए सदैव समर्पित करते है। इसी व्यक्तित्व को दृष्टिगत कर मणिकुध्डल सेवा संस्थान ने समाज के दूसरे सबसे बड़े सम्मान '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' से अलंकृत किया। आज भी समाज को उनसे बहुत आशाये है।

25. श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता–भोपाल का जाना पहचाना नाम जो अपनी समाजसेवा के साथ अपनी मृदुभाषा से पहचाने जाते हैं श्री सुरेश चन्द्र गुप्त को अयोध्या के ऐतिहासिक महाकुम्भ में ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है कि सुरेश जी जहाँ भोपाल नगर सभा के मंत्री रहे है। वे विवाह योग्य बालक बालिकाओं की पत्रिका प्रकाशन एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने में संयोजक जैसे दायित्वों को बखूबी निभा चुके हैं। अपने आदिपुरूष महाराजा मणिकुण्डल जी को समाज के लिये गौरव गरिमा एवं आदर्श मानने वाले सुरेश जी वर्तमान में वैतूल में निवास कर रहे हैं।

26. श्री रमेश सोनी– श्री अवधीय नवयुवक मण्डल के मंत्री के रूप में सिवनी बरघाट, बालाघाट गोपालगंजइत्यादि क्षेत्र में समाज ंगठन, एकता एवं परस्पर सहयोग की अलख जगाने वाले श्री रमेश सोनी ने अपने गृह कस्बा बरघाट में अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष महाराजा मणिकुण्डल जी की मूर्ति की स्थापना की। महासभा के विभिन्न दायित्वों को संभाल कर राष्ट्रीय स्तर पर समाज में चेतना लाने का काम किया। उनके इन्हीं व्यक्तित्व-कृतित्व से प्रभावित हो संस्थान ने

अयोध्या में आयोजित श्री अष्ट लक्ष्मी महायज्ञ में उन्हें '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया। आज रमेश सोनी जी हम सबके बीच नहीं हैं परन्तु उनके कार्य और कार्यशैली समाज के युवा वर्ग को सदैव अनुप्राणित करती रहेगी।

27. डॉ. अजय गुप्ता– सन् 2005 ई0 में समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखने वाले डॉ. अजय गुप्ता अयोध्यावासी वैश्य समाज का ऐसा प्रखर नक्षत्र है जो समाजसेवा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर अधिक प्रदीप्त होता रहता है। महाराजा मणिकुण्डल जी के जीवन पर बनी फिल्म ''रामभक्त मणिकुण्डल'' के सहनिर्माता, महाकाव्य 'महामानव' प्रकाशन मण्डल के सदस्य महासभा के क्रमशः उपाध्यक्ष महामंत्री एवं कार्याध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन करने वाले डा. अजय गुप्ता समाज के प्रति सदैव सकारात्मक सोच रखते हैं। अष्ट लक्ष्मी महायज्ञ में भी आपका सहयोग सराहनीय रहा। इसी कारण संस्थान ने उन्हें 'श्री मणिकुण्डल भूषण' सम्मान से अलंकृत किया। समाज सेवा भाव रखने वाले डा. अजय गुप्ता ने रियल स्टेट के क्षेत्र में अपनी भूमिका रखते हुये '' मणिकुण्डल सरोवर' के निर्माण कराने का संकल्प लिया है। वे विगत 10 वर्षो से माँ सेवा संस्थान के तत्वावधान में ही 'माँ गोशाला' का संचालन कर रहे है। प्रत्येक वर्ष 10 असाधारण माताओं को सम्मानित कर रहे है। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन उ.प्र. (I.V.F.) के प्रदेश महामंत्री है। उन्होंने समाज के तमाम समाजसेवियों का I.V.F. में समावेश कर समाज का मान बढ़ाया है। अयोध्या के स्वजातीय मन्दिर के ट्रस्ट निर्माण में सक्रिय भूमिका हैं। उनसे समाज को बहुत आशाये हैं।

28. श्री आदित्येश प्रभाकर–सुप्तप्राय समाज में चेतना का संचार करने वाले, अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य नवयुवक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपनी सामाजिक पारी की शुभारम्भ करने वाले श्री आदित्येश प्रभाकर ने महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री (2009.2013) के रूप में समाजसेवा का तूफान ला दिया। नजदीक, दूर, सुदूर क्षेत्रों में जाकर समाज को संगठित करना कमेटियाँ बनाना। पौष पूर्णिमा पर मणिकुण्डल जयन्ती का पूरे देश में आयोजन कराना और महासभा के शताब्दी वर्ष पर पूरे देश में आयोजन कराना आदित्येश प्रभाकर की सक्रियता का परिणाम था। समाजसेवा वास्तव में निःस्वार्थ सेवा का क्षेत्र है। परन्तु इसमें भी राजनीति करने वालों द्वारा बाधायें उत्पन्न करने व भ्रम फैलाने वालों को अपनी कार्यशैली से मुँहतोड़ जवाब देने वाले आदित्येश प्रभाकर क्रान्तिकारी व्यक्तित्व के व्यक्ति है। ''फिल्म'' रामभक्त मणिकुण्डल'' के सहनिर्माता एवं स्वाभिमान महाकुम्भ अयोध्या में सर्वप्रथम छः अंकों में दानराशि की घोषणा करने वाले आदित्येश जी समाज के प्रति सदैव समर्पित है। इतना ही नहीं वरन् अपने समाजसेवी पिता श्री मणिकुण्डल रत्न अलंकृत श्री सिद्धगोपाल प्रभाकर के पदचिन्हों पर चलकर उन्होंने 'महामानव' के प्रकाशन मण्डल सदस्य के रूप में भी सहयोग किया। इसी कारण '' श्री मणिकुण्डल रत्न'' के बाद समाज के सबसे बड़े सम्मान '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' से महाकुम्भ में आदित्येश जी को सम्मानित किया गया।

29. श्री लाल जी कौशल – समाज को सेवा, समर्पण एवं ईश्वरीय कार्यक्षेत्र मानने वाले श्री लालजी कौशल (बुद्धलाल जी) गोण्डा जनपद के नवाबगंज के निवासी है। हीरो हाण्डा मोटर साइकिल की एजेन्सी एवं अन्य तमाम व्यापारिक प्रतिष्ठान है। महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में आपने सराहनीय कार्य किया हैं। आज भी संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री एवं महासभा के पदाधिकारी के रूप में समाजसेवा रत है। इतना ही नहीं वरन् श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर अयोध्या के प्रमुख पदाधिकारी के रूप में भी सक्रिय है। श्री लाल जी मृदुभाषी, निश्छल एवं स्पष्ट वक्ता है। गर्भगृह में विराजमान श्री रामदरबार श्री हनुमान एवं श्री मणिकुण्डल कृपा से वे मन्दिर को विश्वस्तरीय भव्य एवं सुन्दर बनाने के आकांक्षी है, इसी कारण ट्रस्टनिर्माण में भी उनकी महती भूमिका है। ऐसे महान व्यक्तित्व को सन् 2011 के अष्टलक्ष्मी यज्ञ एवं महाकुम्भ में ''श्री मणिकुण्डल रत्न'' से विभूषित कर समाज स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है।

30. डा.पी.एस. हार्डिया– गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में 10 लाख से अधिक नेत्र ऑपरेशन के लिये विश्वविख्यात डा. प्रताप सिंह हरदिया को उनके उल्लेखनीय योगदान, प्रभु श्री राम और मणिकुण्डल जी के प्रति सेवा समर्पण भाव, अपने क्षेत्र में शिखर अभिषिक्त होने पर इंदौर में आयोजित सम्मान समारोह में अयोध्यावासी वैश्य समाज की ओर से महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान द्वारा '' श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में प्रमुख रूप से सर्वश्री उमाशंकर गुप्ता (कानपुर) अशोक राजा भोपाल (प्रदेश अध्यक्ष संस्थान म.प्र.), अशोक प्रभाकर (भोपाल) तथा श्री रामचन्द्र गुप्ता (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष-संस्थान) की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

31. डा. सूर्य प्रसाद शुक्ल– डा. सूर्य प्रसाद शुक्ल साहित्य एवं चिकित्सा जगत का एक ऐसा नाम है जो गोलोकवासी होने के बावजूद अत्यन्त श्रद्धा से स्मरण किया जाता है और स्मरण करने मात्र से स्मरणकर्ता को समाज एवं साहित्य के प्रति समर्पित करने की आज भी प्रेरणा प्रदान करता हैं। यहाँ उल्लेखनीय है कि खण्डकाव्य रामभक्त मणिकुण्डल कवितावली का भाष्य तथा महाकाव्य 'महामानव' की भूमिका लिखकर उन्होंने अयोध्यावासी वैश्य समाज को भी अलंकृत किया है। महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान ऐसे दिव्यपुरुष को 'श्री मणिकुण्डल भूषण' से उपंकृत कर स्वयं गौरवान्वित महसूस करता है।

32. डा. राघवेन्द्र गुप्ता – राष्ट्र सेवा-समाजसेवा की भावना व्यक्ति को पीढ़ी दर पीढ़ी भी प्राप्त होती है। सौम्यव्यक्तित्व के धनी डा. राघवेन्द्र गुप्ता कानपुर के प्रख्यात न्यूरोसर्जन हैं। गणेशशंकर विद्यार्थी मेडिकल कालेज, कानपुर के प्रोफेसर डा. राघवेन्द्र गुप्ता सरल हृदयी है। समाज के लोगों के लिए उनके मन में सहानुभूति रहती है। यह सहानुभूति चिकित्सा में भी परलक्षित होती है। न्यूरान हॉस्पिटल (Neuron Hospital) समाज की शान है। ज्ञातव्य है इनके पितामह गोलोकवासी हनुमान दास गुप्ता ने महासभा के कोषाध्यक्ष, पिता श्री श्रवण कुमार गुप्त ने महासभा निदेशक तथा चाचा श्री सत्यनारायन गुप्त ने महासभा के कोषाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवायें समाज को दी। समाजसेवा के साथ चिकित्सा के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होने तथा समाज का नाम रोशन करने वाले डा. राघवेनद गुप्ता को समाज के उत्कष्ट सम्मान ''श्री मणिकुण्डल भूषण' से सम्मानित कर संस्थान ने युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा प्रदान की है।

33. उमाशंकर गुप्त – समाज की समर्पण भाव से सेवा करना और समाज का मान सम्मान बढ़ाने का सतत प्रयास करना तभी सम्मान है जब मन में अहर्निशि समाज कल्याण की भावना होगी। फिल्म ''रामभक्त मणिकुण्डल'' का निर्माण कर और उसके द्वारा अयोध्यावासी वैश्य समाज के रामप्रेम, रामभक्ति, त्याग एवं समर्पण तथा इतिहास का सजीव चित्रण कर उमाशंकर गुप्त ने समाज का मान सम्मान और उत्तम छवि का निर्माण किया है। फिल्म निर्माण के नवीन क्षेत्र में पदार्पण और उत्तम फिल्म निर्माण हेतु उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया। उन्हें सम्मानित करने से समाजसेवियों, समाजप्रेमियों एवं सम्पूर्ण समाज में हर्ष की लहर दौड़ गयी।

34. सरजू प्रसाद गुप्ता–अयोध्यावासी वैश्य आदर्श सभा के तत्वावधान में पन्द्रह वर्षो तक लगातार सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन कर लगभग एक हजार जोड़ों को परिणाम सूत्र में आबद्ध कराने वाले सरजू प्रसाद जी दृढ़ निश्चयी कर्मठ समाजसेवी थे। उन्होंने अपने कृतित्व से कानपुर को सामूहिक विवाह का केन्द्रबिन्दु सिद्ध कर दिया था। उन्हें ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' से संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। आज वे हम सबके बीच में नहीं हैं। परन्तु वे हम सबको आज भी प्रेरणा प्रदान करते हैं।

35. कल्लू प्रसाद गुप्ता – आज की भागमभाग जिन्दगी में बहुत से लोग समाज के साथ नहीं जुड़ पाते हैं। जब उन्हें अपने बच्चों के विवाह करने होते हैं तो उस समय समाज की जानकारी का अभाव उन्हे परेशान कर देता है, समस्या बन जाती है। ऐसी स्थिति में समस्या के समाधान करने वाले व्यक्तित्व के रूप में कल्लू प्रसाद गुप्त का नाम सहज स्मरण हो जाता था। अपने प्रयासों से सैकड़ों विवाह जुड़वाने वाले श्री कल्लू प्रसाद गुप्त को संस्थान द्वारा ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' से अलंकृत किया गया। करोना काल में ऐसे विवाह संयोजक समाजसेवी का निधन हो गया। आज भी उनकी कमी हम सबको खलती है।

36. श्री आदेश गुप्ता– अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम के महापौर तथा भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष के पदों को सुशोभित कर अयोध्यावासी वैश्य समाज का मान बढ़ाया है। इन शीर्ष पदों को सुशोभित करने वाले श्री आदेश गुप्ता स्वतंत्रता सेनानी दादा श्री गोपाल जी के पौत्र तथा श्री शम्भू दयाल जी के पुत्र है। इनके भ्राता श्री धर्मेन्द्र कौशल महासभा के महामंत्री के दायित्व को संभाल चुके है। महाकाव्य '' महामानव'' के लोकार्पण के अवसर पर श्री आदेश गुप्ता को ''श्री मणिकुण्डल भूषण'' सम्मान से अलंकृत किया गया है। आदेश जी के मन में अयोध्या के स्वाजातीय मन्दिर को मूर्त रूप देकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने की आकांक्षा है। समाज को उनसे बहुत आशायें है।

■■■

आखिर कन्फ्यूजन क्यों?

समाज के एक संगठन, जो महासभा का सदैव से सहयोगी संगठन है, द्वारा अपनी पत्रिका में 'किस दिये में तेल डालूं' शीर्षक से एक लेख प्रकाशित हुआ है। लेख वास्तव में गम्भीर है, इसमें कोई दोराय नहीं हैं परन्तु कहीं न कहीं कुछ भ्रमित जानकारी का दर्शन कराती है अथवा उसमें पूर्वाग्रह की छाया दिखती है। दरअसल अखिल भारतवर्षीय अयोध्यावासी वैश्य महासभा 115 वर्ष पुराना समाज का एकमात्र संगठन है। इसे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ शिवराज चूड़ी वाले, जस्टिस गुलाब गुप्ता, शोभा राम गुप्ता, मदन चन्द कश्यप, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, सनत कुमार गुप्ता इत्यादि जो मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र का भी प्रतिनिधित्व करते थे, के द्वारा नेतृत्व प्रदान किया गया। महासभा में कभी क्षेत्रवाद की संकीर्णता प्रभावी नहीं हो सकी। आज भी अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष रूपी तीनों प्रमुख पदों में दो तिहाई भागीदारी मध्यप्रदेश को प्राप्त है। यदि महासभा क्षेत्रवाद की संकीर्णता की भावना से ग्रसित होती तो समाज के 80 प्रतिशत जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश प्रमुख पदो में एक तिहाई हिस्से में संतोष क्यों करता? यह उत्तर प्रदेश के अयोध्यावासी वैश्यों की उदारता है, महासभा का गैर गैरक्षेत्रवाद है अथवा दूसरे प्रदेशों के समाज बन्धुओं को खुले मन से स्वीकार करने का भाव है? कृपया इस पर स्वयं विचार करें।

महासभा के रथ को पीछे करने के प्रयास आदरणीय दुर्गा प्रसाद गुप्ता जी के अध्यक्ष काल में भी किये गये थे। जब समाज के कुछ तत्वों ने एक समानान्तर सभा बनाई गई थी, जो बाद में अपने आप विफल हो गई। उसी प्रकार समाज की उन्हीं आसुरी शक्तियों ने कुछ नये साथी तलाश कर फिर से ऐसा ही प्रयास किया है, उनका भी निष्फल होना सुनिश्चित है। क्योंकि समाज तो वास्तव में सेवा का क्षेत्र है राजनीति का नहीं। इसीलिये सकारात्मक भाव से ही समाज का कल्याण हैं,नकारात्मक भाव से किया गया कार्य अप्रिय एवं निराशाजनक परिणाम ही देता है।

जहाँ तक आदिपुरुष के पूजन का प्रश्न है, विभिन्न ग्रन्थों में वर्णित रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी अयोध्यावासी वैश्यों की रामभक्ति, राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं। समाज के मान, सम्मान, स्वाभिमान एवं आईकान के प्रतीक है। उनको आदिपुरुष के रूप में पाकर हम सब गर्व कर सकते है और दूसरे समाज के सामने अपने समाज की श्रेष्ठता प्रतिपादित कर सकते है। इसी कारण उस संगठन की पत्रिका के पूर्व संपादक (अब दिवंगत) ने भोपाल मन्दिर में अपनी ओर से मणिकुण्डल जी की मूर्ति लगाने की इच्छा जाहिर की थी।

एक भ्रम जो लेख से दृष्टिगत होता है कि तथाकथित समानान्तर संगठन ने चित्रकूट धर्मशाला में अच्छा कार्य किया है जबकि ऐसा नहीं है। धर्मशाला में उनके द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया है। धर्मशाला/मंदिर में रंगरोगन का सम्पूर्ण व्यय महासभा के कोषाध्यक्ष श्री दीपचन्द्र गुप्ता ने वहन किया है। टूटी छतों एवं रखरखाव का कार्य धर्मशाला ट्रस्ट द्वारा प्रबन्धक उमाशकर गुप्ता (अतर्रा), श्यामू गुप्ता (अतर्रा) एवं सुनील गुप्ता (चित्रकूट) की देखरेख में सम्पादित हुआ । समानान्तर संगठन की प्रयासी शक्तियाँ केवल व्हाटसेप ग्रुप में समाज एवं धर्मशाला इत्यादि में दुष्प्रचार करने वाले, समाज को गलत जानकारी देने में सिद्धहस्त तथाकथित लोगों ने प्रशंसनीय नहीं वरन् तालिवानी कृत्य कर निन्दनीय कार्य किया है

महासभा ने अपने शताधिक वर्षीय कार्यकाल में तमाम आरोहण अवरोहण देखे हैं, परन्तु महासभा रूपी गंगा सदैव प्रवाहमान रही है। आज भी प्रवाहमान है। विशेषकर उत्तर प्रदेश (जहाँ अयोध्यावासी वैश्यों का बहुसंख्यक समाज निवास करता है) में संगठन कार्यक्रम, कार्यकर्त्ता की दृष्टि से बहुत समृद्ध है। यह हमारे संगठन की उदारता है कि हम प्रान्त या क्षेत्र का भेद नहीं मानते हैं। साथ ही सकारात्मक सोच रखने वाले सभी बन्धुओं , बहिनों एवं संगठनों का सदैव स्वागत करते है, फिर भी यदि कोई मतभेद होता है तो उसे परस्पर विनियम एवं प्रत्यक्ष वार्ता से निराकरण किया जा सके। रही बात तथाकथित कुछ लोगों द्वारा गिरोह बनाकर राष्ट्रीय स्तर पर संगठन बनाने का प्रयास कभी समाज के लिये उपयोगी नही हो सकता है। इसलिये किसी व्यक्ति या संगठन को कन्फ्यूज नहीं होना चाहिये क्योंकि कन्फ्यूजन या फ्यूज होने पर केवल नुकसान ही होता है।

अतएव महासभा उनका आहवाहन करती है कि जब हम आप एक ही दिये की दो बाती है तो सभी प्रकार के कन्फ्यूजन (भ्रम) त्याग कर स्वयं विचार करें कि आप लोग उस संगठन में भागीदार हों जिनमें उनके लोग पूर्व की भाँति आज भी निदेशक आदि दायित्वों पर हैं, और सभी प्रदेश/क्षेत्र को बिना संकीर्णता के सम्मान रखा है, जो 115 वर्षो से अनवरत प्रवाहमान हो अर्थात् उस दिये में तेल डालें अथवा स्वयंभू संगठन बनाकर दूसरों की छवि को दागी करने की कोशिश करने वाले, भ्रमपूर्ण समाचार (फेक न्यूज) का सहारा लेकर समाज विरोधी कृत्य करने वालों के दिये में ही तेल डालें। याद रखें

समर शेष है नहीं पाप का भागी केवल व्याघ ।

जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध ।।

इसलिये हम सब प्रभु श्री राम, महावीर हनुमान एवं राम भक्त मणिकुण्डल जी का आशीष प्राप्त करते हुये अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा रूपी दीपक के प्रकाश से समाज को आलोकित करने में सहभागी बनें।

■■■

श्री अयोध्यावासी वैश्य महिला मण्डल, भोपाल द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ऊषा गुप्ताएवं नगर अध्यक्ष श्रीमती अमिता गुप्ता एवं उनकी टीम की सदस्य सुशीला गुप्ता, नीलम गुप्ता, राधा गुप्ता शकुन गुप्ता, पूजा गुप्ता, रजनी गुप्ता चित्रा गुप्ता, अंजुला गुप्ता द्वारा आंवला नवमी धूमधाम से मनायी।

विवाह योग्य बालक/बालिकायें

नाम	चि0 संकेत कौशल
उम्र	29.08.1994
शिक्षा	एम.सी.ए. (सीनियर साफ्टवेयर इंजीनियर TCS गुड़गांव)
पिता	श्री बलराम गुप्ता
पता	5/105 आ. वि. कालोनी बरेली मोड़, शाहजहाँपुर
मोबाइल	9935958383, 9450413860

नाम	चि0 अश्वनी
उम्र	30 वर्ष
शिक्षा	एम.काम (एक्सान डिग्री कालेज में प्रवक्ता)
पिता	स्व. जयकिशन गुप्ता
पता	363/151, हसनगंज बवाली सआदतगंज, लखनऊ
मोबाइल	9453009501, 9044721963

नाम	चि. अरविन्द गुप्ता
उम्र	30 वर्ष
शिक्षा	बी. काम. कद 5' 5''
माता	श्री शिव नारायन
पता	दबोह तहसील/लहर जि. भिण्ड (म.प्र.)
मोबाइल	9685088554, 8517998583

नाम	चि0 शुभम गुप्ता
उम्र	23 अगस्त 1991
शिक्षा	एम टेक, पी.एच.डी.
पिता	इंजी. अनुज कुमार गुप्ता सहा. अभियंता लोकनिर्माण विभाग उ.प्र.
पता	सिकन्दरा, आगरा (उ.प्र.)
मोबाइल	9411411252

नाम	चि0 आशीष
उम्र	4 अगस्त 1992 कद 5' 8''
शिक्षा	बी.काम.
माता	श्रीमती शकुन गुप्ता
पता	अनमोल वाटिका सोसाइटी कारमेटा, जबलपुर
मोबाइल	8319864337, 7223982026

नाम	चि. शुभम
उम्र	24 अगस्त 1996
कद	5'6''
पिता	श्री सत्य प्रकाश कौशल
पता	अमरचन्द्र ओमप्रकाश सर्राफ मेन चौक, सुल्तानपुर उ.प्र.

नाम	चि. संघमित्र
उम्र	18 जून 1998
शिक्षा	एम.बी.ए. (HR)
कद	5'4''
पिता	श्री दीपक गुप्ता
पता	न्यू 16, लैन्डमार्क सिटी दानिश नगर होशंगाबाद रोड भोपाल (म.प्र.)
मो.	8223815807

नाम	चि. ओनेश कौशल (ONESH)
शिक्षा	एम.एस.सी., एम.बी.ए.ए एम.टेक
पिता	श्री ए.के. गुप्ता
पता	शाहजहाँपुर
मो. :	8858520610, 8318750857

नाम	डॉ0 आशीष गुप्ता
उम्र	18 मई 1991
शिक्षा	एम.बी.बी.एस.
पिता	एस. बी. आई. से रिटायर्ड, लखनऊ
पता	यशोदा हास्पिटल में कार्यरत
मोबाइल	9415216907, 9823477259

नाम	चि. सूरज कौशल
उम्र	14 अक्टूबर 1994
शिक्षा	स्नातक
पिता	स्व. अशोक कौशल
पता	जयपुर
मोबाइल	7073010052

नाम चि0 गिरीश
उम्र 08.08.1990
शिक्षा स्नातक हार्डवेर डिप्लोमा (वीवों) में कार्यरत
पिता श्री राजकुमार कौशल
पता फैजाबाद
मोबाइल 8957693408, 8707037947

नाम चि0 आयुष
उम्र 11 .06. 1996
कद 5'7''
शिक्षा बीटेक जे.पी. मोरगन कं. बंगलौर में कार्यरत पैकेज 19 लाख वार्षिक
पिता श्री कमल कुमार गुप्ता
पता कानपुर

नाम चि0 हितेश
उम्र 21.02.1991
कद 5'5''
शिक्षा एम.बी.ए. जॉब कार्यरत
पिता श्री एस. एन. गुप्ता
पता लखनऊ
मोबाइल 9450479889, 7388889330

नाम चि0 श्याम
उम्र 24.05.1992 कद 5'10''
शिक्षा एम.काम विविध व्यापार रत
पिता स्व ओम शिव कौशल
पता गंगा दरवाम, कायमगंज, जि. फर्रूखाबाद
मोबाइल 9873559906

नाम चि0 निशान्त
उम्र 30.03.1991 कद 5'8''
शिक्षा इण्टरमीडियट
पिता श्री दयाशंकर गुप्ता
पता 3/542 विकास नगर, लखनऊ
मोबाइल 7007487995

नाम चि0 राहुल
जन्मतिथि 04.12.1995 कद 5'8''
शिक्षा एम.बी.ए.
जॉब जे.एम.बी. कार में गुरूग्राम हरियाणा में)
पिता श्री किशोर कुमार वैश्य
पता 18/38, विवेक नगर काटन मिल के पास नैनी प्रयागराज (ऊ.प्र.)
मो. 8081410805, 7459843900

नाम चि0 संजीव
जन्मतिथि 08.12.1992
शिक्षा मीडिया कार्यरत
पिता श्रीराम औतार गुप्ता (तिलहर वाले)
पता लखनऊ
मोबाइल 8756772717

नाम चि0 शुभम कौशल
उम्र 27 वर्ष
शिक्षा बी.एस.सी.
पिता श्री विजय गुप्ता (शुभम ज्वैलर्स)
पता रनिया, कानपुर देहात
मो. 9839588741

नाम चि0 अमर (राहुल)
उम्र 33 वर्ष
शिक्षा एम.एस.सी., बी.एड (गणित) सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज में टीचर
पिता श्री कमलेश कुमार गुप्ता (बांदा वाले)
पता बिन्दकी जिला फतेहपुर
मोबाइल 8354044254 (मामा राजनारायण)

नाम चि0 अभिषेक गुप्ता
जन्मतिथि 33 वर्ष
शिक्षा इण्टरमीडियट
पिता श्री सुरेश गुप्ता इंजीनियर
C/o श्री अनिलगुप्ता (बहनोई)
पता साइट किदवई नगर मार्वल मार्केट, कानपुर
मोबाइल 6307257944

नाम चि0 सौरभ
शिक्षा बीटेक पैकेज 11 लाख वार्षिक
आई.टी. सी., नोएडा में कार्यरत
पिता श्री विष्णु गुप्ता (बर्तन वाले)
पता लालबंगला, कानपुर
मोबाइल 9839122187

नाम चि0 सोनू
शिक्षा बर्फ का थोक व्यापार
पिता स्व. दिलीप गुप्ता
बहन रीना गुप्ता (कमल ज्वैलर्स के पास)उन्नाव
पता 2/651,ऋषिनगर शुक्लागंज, जिला उन्नाव
मोबाइल 8115103503 (बहन)

नाम चि0 अतुल (एडवोकेट)
उम्र 1990 शिक्षा एल.एल.बी.
नाम चि0 आकाश
उम्र 1996
शिक्षा बी.एस.सी.ई–स्टाम्प एण्ड ओम कमि.
पिता श्री कृष्ण कुमार गुप्ता (स्टाम्प वेण्डर)
पता कानपुर कचहरी, कानपुर
मोबाइल 9369231547

नाम चि0 आशीष (एडवोकेट)
उम्र 1996 शिक्षा एल.एल. बी.
पिता श्री शिव कुमार गुप्ता (स्टाम्प वेण्डर)
चेम्बर नं. 1135, सिविल कोर्ट कम्पाउण्ड, कानपुर
पता 128/7, जी ब्लाक, यशोदा नगर, कानपुर–11
मोबाइल 8004325541(आशीष)
9235778547(शिव कुमार)

नाम चि0 विकास (रजत)
जन्मतिथि 1994
शिक्षा बी.एस.सी., जी.एन.एम. (व्यापार रत)
पिता श्री विनोद कुमार कौशल (सर्राफ)
पता अयोध्या नगर, अकबरपुर, कानपुर देहात
मोबाइल 9794475201 (भाई प्रकाश)

नाम चि0 प्रिन्स प्रभाकर
जन्मतिथि 01.10.1995
शिक्षा बी.काम(नौकरी)
पिता श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता
पता सी–196, बर्रा – 8 (बसन्त पेट्रोल पम्प के पास) कानपुर
मोबाइल 9369999688

नाम चि0 विशाल
जन्मतिथि 14.07.1992 कद 5'5''
शिक्षा एम.बी.ए (फाइनेन्स) रिचा ग्लोवल एक्सपर्ट गुरूग्राम में कार्यरत
पिता श्री अनिल गुप्ता
पता 2/40 जनकपुरी, रामघाट रोड, अलीगढ़
मोबाइल 7454961120

नाम चि0 रवी गुप्ता
उम्र 28 वर्ष
जॉब उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवारत
पिता श्री आनन्द गुप्ता
पता अल्लापुर रोड, पुखरायाँ
मोबाइल 987526093

नाम चि0 सिद्धार्थ
जन्मतिथि 1993
शिक्षा एम.टेक (फ्री लान्चिग साफ्टवेयर इंजी.)
पिता श्री परशुराम गुप्ता (सीमेन्ट वाले)
पता गांधी नगर आचार्य नगर, कानपुर
मोबाइल 9415706521

नाम चि0 ऋषभ
उम्र 1997
जॉब स्नातक, पालीटेक्निक से ड्राफ्टमैन कम्प्यूटर आपरेटर
पिता श्री कृष्ण बिहारी वैश्य
पता नरसी विलेज, 95 सी, आगरा
मोबाइल 7906111645

नाम चि0 ऋषभ
उम्र 30 वर्ष
शिक्षा एम. टेक
नौकरी ACOM में कार्यरत
पिता श्री राधेश्याम गुप्ता
पता नौबस्ता, हमीरपुर रोड, कानपुर
मो. 9336115585

नाम कु0 शालिनी
जन्मतिथि 1994
शिक्षा बी.एस.सी., एल.एल.बी.
नाम कु0 मीनाक्षी (मोहिनी) जन्मतिथि 1995
पिता श्रीकृष्ण कुमार गुप्ता
पता किराना मर्चेन्ट, सीसामऊ बाजार, कानपुर
मोबाइल 9335009501

नाम कु0 आकांक्षा (चिंकी)
उम्र 27 वर्ष
शिक्षा एम.बी.ए. (नोएडा में कार्यरत)
पिता श्री सोम गुप्ता
पता मुगलसराय
मोबाइल 7007532021

नाम कु0 सौम्या (जागृति)
जन्मतिथि 1994
शिक्षा एम.ए.
पिता श्री मुकेश गुप्ता
पता 105/40, प्रेम नगर, कानपुर
मोबाइल 9005947415

नाम कु0 पल्लवी
उम्र 24.05.1998
कद 5'10''
पिता राम किशन गुप्ता
पता छोटी बाजार, खुटला बांदा

नाम कु0 विभा
जन्मतिथि 29.09.1997
शिक्षा बीकाम, एम.बी.ए.
पिता श्री अजय गुप्ता
पता टेढ़ी बाजार, अयोध्या (उ.प्र.)
मो. 7985237416, 9450209839

नाम कु0 अंशिका
जन्मतिथि 05.01.2000 कद 5'6''
शिक्षा एम.एस.सी.
पिता श्री प्रदीप कुमार गुप्ता
पता बर्रा–2, कानपुर
मो. 9336351289

नाम कु0 भनुजा कौशल
जन्मतिथि 16.02.1996
शिक्षा एम.बी.ए. (आई.बी.एम. पूना में कार्यरत)
पिता श्री गिरीश कौशल
पता 13/256, मिश्रा कालोनी, गंगाघाट, उन्नाव
मोबाइल 9451219711, 9451861972

नाम कु0 कंचन
जन्मतिथि 12.09.1989 कद 5'4''
शिक्षा बी.ए.
पिता श्री दयाशंकर गुप्ता
पता 3/542, विकास नगर, कानपुर
मोबाइल 7007487995

नाम कु0 अंशिका
जन्मतिथि 20.09.2003 कद 155 से.मी.
शिक्षा बी.एड. (आई.ए.एस. हेतु प्रयासरत)
पिता श्री दिनेश कुमार गुप्ता
पता 545 बी/बी.के. 138/01, गनपत विहार, गोकुल ग्राम बीबीखेड़ा रोड पो.आ. मानक नगर, लखनऊ – 226011
मोबाइल 9956367818, 9450355475

नाम कु0 साक्षी जन्मतिथि 15.03.1998 कद 5'3'' शिक्षा एम.एस.सी. पिता श्री रमेश चन्द्र गुप्ता पता 378/ए–340, शिवशक्ति पुस्तक भण्डार देवीगंज, फतेहपुर मोबाइल 9839290621	नाम कु0 श्रद्धा (कौशिकी) जन्मतिथि 24 वर्ष शिक्षा बी.एससी पिता श्री सत्यनारायण गुप्ता पता बिन्दकी, जिला फतेहपुर मोबाइल 8354044254 (चाचा राज नारायण)
नाम कु0 गायत्री जन्मतिथि 03.10.1999 शिक्षा बीए.बी.एड पिता श्री निवास गुप्ता पता कादरी गेट, फर्रूखाबाद मोबाइल 8960999509	नाम कु0 शिवानी उम्र 28 वर्ष नौकरी अध्यापिका प्राइमरी (मल्लावा) पिता श्री श्याम सुन्दर सर्राफ (मुन्ना) पता घाटमपुर जि0 कानपुर देहात मो0 9451008399

विशेष

सभी बन्धुओं से निवेदन है कि प्राप्त जानकारी के अनुसार उपरोक्त विवरण प्रकाशित किया गया है अतएव सम्बद्ध करने के पूर्व अपने स्तर पर पूरी जांच पड़ताल कर लें। पत्रिका प्रकाशन मण्डल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी

बिलासपुर में म0प्रा0 सभा द्वारा सामूहिक विवाह सम्पन्न

म0प्रा0 सभा द्वारा विगत नवम्बर 2023 को विलासपुर में 50वाँ सामूहिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रभु श्रीराम स्तृति के पश्चात उपस्थित समाजसेवियों ने सभा को सम्बोधित किया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री आदेश गुप्ता (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा दिल्ली प्रदेश) ने समाज की एकता एवं सहयोग पर बल देते हुये कहा कि आज हम लोगों की सामाजिक संगठित होने के साथ-साथ राजनैतिक दृष्टि से जागृत एवं संगठित होना चाहिये क्योंकि संगठित समाज को ही सभी प्रकार के लाभ मिलते है।

समारोह में सर्व श्री बी0पी0 गुप्ता (करेली), दुर्गा प्रसाद गुप्ता (पूना), अशोक अम्बर (भोपाल), ओमप्रकाश (बैरसिया) प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन श्री अयोध्यावासी वैश्य नगर सभा बिलासपुर द्वारा किया गया।

hJ fek| .dMyh t ij jk"hV ;L rj ijf ucU/k fç:kf; kxr

f ucU/k fç:kf; kxr dfi jk.kk ?kkf"k

महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान द्वारा अयोध्यावासी वैश्य समाज के आदि पुरुष, वैश्य शिरोमणि, रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी के जीवन पर ''रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी-प्रेरक व्यक्तित्व एवं कृतित्व'' शीर्षक से निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डा0 अजय गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता में देश के विभिन्न स्थानों से तमाम प्रतिभागियों ने भाग लिया। केवल अयोध्यावासी वैश्य समाज ही नहीं वरन् अन्य समाज के लोगों द्वारा भी प्रतियोगिता में सम्मिलित होने से प्रतियोगिता की लोकप्रियता को चार चांद लग गये। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे-

प्रथम पुरस्कार-	श्रीमती वर्षा कौशल	बांदा	(उ.प्र.)
द्वितीय पुरस्कार-	ईशान गुप्ता	कटनी	(म.प्र.)
तृतीय पुरस्कार-	कु.अंशिका गुप्ता	लखनऊ	(म.प्र.)

सान्तवना पुरस्कार –

1.	श्री प्रान्जल गुप्ता	कानपुर	2.	कु. इश्का गुप्ता	कानपुर
3.	कु. अंशिका कौशल	कानपुर	4.	कु. ज्योति गुप्ता	कानपुर
5.	कु. कीर्ति श्रीवास्तव	कानपुर	6.	कु. रूचि तिवारी	कानपुर
7.	कु. मुस्कान माथुर	कानपुर	8.	मानसी वर्मा	कानपुर
9.	नैन्सी वर्मा	कानपुर	10.	महक विश्वकर्मा	कानपुर
11.	दिव्यांशी सिंह	कानपुर	12.	मुस्कान पाल	कानपुर
13.	अंजली	कानपुर	14.	अर्चिता विश्वकर्मा	कानपुर
15.	वैष्णवी	कानपुर	16.	तन्नू यादव	कानपुर
17.	निष्ठा कौशल	कानपुर	18.	आयुष भारती	कानपुर
19.	अभय यादव	कानपुर	20.	विनायक मिश्रा	कानपुर
21.	कृष्ण यादव	कानपुर	22.	करन चौरसिया	कानपुर
23.	अनुज राना	कानपुर	24.	रोहित राजपूत	कानपुर
25.	सूरज त्रिपाठी	कानपुर	26.	हर्ष पाल	कानपुर
27.	सोम सैनी	कानपुर	28.	आर्यन	कानपुर
29.	कु. प्रिया सागर	कानपुर	30.	खुशी निषाद	कानपुर
31.	कु. बेटू	कानपुर	32.	कु. दिव्यांशी यादव	कानपुर
33.	किरन पाल	कानपुर	34.	प्रियंका निषाद	कानपुर
35.	अंशिका गौतम	कानपुर	36.	अमिता तिवारी	कानपुर
37.	रूचि देवी	कानपुर	38	मुस्कान सक्सेना	कानपुर
39.	मोनू मेहता				

अयोध्यावासी वैश्य बन्धुओं स्वयं को जानो, पहचानो और गर्व करो

प्रस्तुति – सुभाष गुप्ता, कटनी
वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष
महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान, म.प्र.

स्वजातीय भाइयों एवं बहनों

हम सब अयोध्यावासी वैश्य हैं, हमारा गौरवशाली इतिहास हैं हम सबको अपने गौरवशाली इतिहास एवं अपने आदिपुरुष रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल जी की जानकारी अवश्य होनी चाहिये। संक्षेप में हम इस पर चर्चा करते है।

अयोध्यावासी वैश्य कौन?

'' जिस वैश्य समाज का मूल स्थान अयोध्या हो अर्थात किसी भी समय जिनके पूर्वज अयोध्या से प्रवासित/ निर्वासित होकर देश के किसी भी भाग में निवास करते हों और वे किसी भी उपनाम से पहचाने जाते हों, वे सभी अयोध्यावासी वैश्य हैं।''

सम्पूर्ण भारत में निवास कर रहे अयोध्यावासी वैश्यों का इतिहास त्रेता युग सें प्रारम्भ होता है। सम्राट दशरथ द्वारा प्रभु श्रीराम को वनवास दिये जाने पर अयोध्या की प्रजा दुखी हो गयी। विशेषकर वैश्य समाज में व्याकुलता आ गई। तुलसीदास जीने लिखा है ''भयऊ विकल बड़ वनिक समाजू। बिनु रघुवीर अवघ नहि काजू''।। '' उन्होंने भी प्रभु श्रीराम के साथ वन जाने का निर्णय किया। एक रात जब प्रभु श्रीराम चुपचाप सीता जी व लक्ष्मण जी के साथ चले गये तो अयोध्यावासी किंकर्तव्यविमूढ़ हो गये और उन्होंने विचार किया कि- ***'' जहाँ राम तहँ अवध है, नहीं अवघ बिनु राम। राम संग वन अवध है, अवध बचा क्या काम।।''*** और इस प्रकार अपने-अपने अनुमान से चारो दिशाओं में ढूँढ़ने निकल पड़े। जगह-जगह बसते गये और इस प्रकार सारे देश में अयोध्यावासी वैश्यों का प्रसार हुआ।

आदि पुरुष रामभक्त महाराजा मणिकुण्डल कौन?

अयोध्यावासियों की टोलियाँ प्रभु श्री राम को ढूँढ़ते आगे बढ़ रही थी परन्तु राम जी का पता नहीं लग रहा था टोलियां थककर जहाँ पहुंच जाती थी वही पर ठिकाना बना लेती थी परन्तु नगर सेठ मणिकौशल व उनके रामभक्त पुत्र मणिकुण्डल आगे बढ़ते गये। वे चलते-चलते दक्षिण भारत के '' भौवन'' नामक नगर पहुंच गये। तब तक बालक मणिकुण्डल युवा हो गये थे। वहाँ मणिकुण्डल की मित्रता गौतम नामक ब्राहण मित्र से हुई। उसने मणिकुण्डल जी से प्रभु श्रीराम को ढूँढ़ने एवं व्यापार करने दूसरे नगर चलने का आग्रह किया। माता-पिता की आज्ञा लेकर मणिकुण्डल जी गौतम के साथ चल दिये। दूसरे नगर पहुंचकर गौतम ने मणिकुण्डल जी को दुराचार एवं व्यसनों हेतु प्रेरित किया। मणिकुण्डल जी ने इन्हें अधार्मिक एवं अनैतिक कृत्य कहते हुये मानने से इंकार किया। इस पर गौतम ने शर्त लगायी और छल प्रपंच कर उनका धन ले लिया। धन लेने के बाद वह मणिकुण्डल जी से पीछा छुड़ाने का प्रयास करने लगा। आगे चलकर गोदावरी नदी के किनारे

एकान्त स्थान पर गौतम ने मणिकुण्डल जी पर हमला कर उनके नेत्र, हाथ और पैर क्षत विक्षत कर दिये तथा धन लेकर चला गया।

भगवान की कृपा से उस स्थान पर भगवान योगेश्वर (विष्णु) का सिद्ध मन्दिर था। जहाँ पर विभीषण प्रत्येक शुक्ल एकादशी को दर्शन करने आते थे। मणिकुण्डल जी रात भर तड़पते रहे, प्रातःकाल एकादशी थी। लंकापति विभीषण (रावण वध हो चुका था, विभीषण लंका के राजा बन चुके थे।) अपने पुत्र वैभषिणि के साथ वहाँ आये तो मणिकुण्डल जी को घायल अवस्था में तड़पते देखा। यह जानकर की यह रामभक्त है और सत्यास्था के कारण इनकी यह दशा हुई है, उन्होंने विशल्यकरणी औषधि (जो हनुमान जी की संजीवनी बूटी पर्वत ले जाते समय वहाँ गिर गयी थी और उग आई थी) तथा दिव्यमन्त्रों से उनका उपचार किया। स्वस्थ होकर और विभीषण से यह जानकर कि प्रभु श्रीराम वनवास पूर्ण कर अयोध्या में राजकाज संभाल चुके हैं, मणिकुण्डल जी ने अपना जीवन परोपकार हेतु समर्पित कर दिया। चलते-चलते वे महापुर राज्य पंहुचे। उस समय वहाँ की राजकुमारी मरणासन्न स्थिति में थी। वैद्य, हकीम, ताँत्रिकों ने जवाब दे दिया था, तब मणिकुण्डल जी ने उन्हीं दिव्यमन्त्रों एवं विशल्यकरणी औषधि से राजकुमारी को स्वस्थ किया। इसपर राजा महाबली ने उन्हें आधा राज्य देने का आग्रह किया परन्तु मणिकुण्डल जी ने इसे विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। इससे राजा की श्रद्धा बढ़ गयी और अन्ततः उन्होंने राजकुमारी से मणिकुण्डल जी का विवाह कर पूरा राजपाठ उन्हें सौंप दिया। इस प्रकार वे महापुर के राजा बने। राजा बनने के बाद वे रानी महारूपा के साथ प्रभु श्रीराम के दर्शन करने अयोध्या गये।

अयोध्या से प्रभु श्रीराम के साथ वनगमन करने के कारण ही हमारा समाज अयोध्यावासी वैश्य कहलाया। मणिकुण्डल जी इसी टोली के नायक व महामानव थे। साथ ही मणिकुण्डल जी ***अयोध्यावासी वैश्योत्पन्न विश्व के प्रथम एवं एकमात्र राजा थे। इसी कारण महाराजा मणिकुण्डल जी अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष के रूप में पूजे जाते हैं।*** उनकी रामभक्ति एवं कुशल प्रशासक छवि पर हम सबको गर्व है। महाराजा मणिकुण्डल जी की मूर्तियाँ श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर अयोध्या, श्री अयोध्यावासी वैश्यी धर्मशाला एवं मन्दिर चित्रकूट, श्री मणिकुण्डल वाटिका कानपुर, श्री दाऊ जी मन्दिर मैनपुरी, श्री शिवमन्दिर टिकैट नगर, बाराबंकी, श्री मणिकुण्डल मन्दिर सिवनी (म.प्र.) के साथ-साथ नवाबगंज, फर्रूखाबाद, बरघाट, गोपालगंज, भिखनापुर, सदना, सिधौली, नैमिषारण्य इत्यादि स्थानों पर स्थापित है।

महाराजा मणिकुण्डल जी के बारे में ब्रह्मपुराण, वैश्याणाम गौरवः, अयोध्यावासी वैश्यों का इतिहास एवं वैश्य समुदाय का इतिहास, महामानव, प्रणवीर मणिकुण्डल इत्यादि में विस्तृत वर्णन मिलता है। हम सबको उन पर गर्व है।

संक्षिप्त इतिहास
अखिल भारत वर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा (पंजी.)

अयोध्यावासी वैश्य भगवान श्रीराम के वनवास काल से ही सम्पूर्ण देश में चारों ओर विस्तारित हो गये थे। मुगलकाल में हिन्दुओं पर हुये अत्याचारों के कारण समाज को अपने अस्तित्व, अस्मिता एवं स्वत्व की रक्षा हेतु कड़ा संघर्ष करना पड़ा। तमाम यातनाओं के बावजूद अयोध्यावासी वैश्य समाज ने इस्लाम धर्म नहीं अपनाया। हिन्दुत्व, राम एवं राष्ट्र रक्षा हेतु अयोध्यावासी वैश्य सदैव अपना बलिदान देने हेतु तत्पर रहे। मुस्लिम शासनकाल में जहाँ हिन्दू समाज को धर्म परिवर्तन हेतु प्रेरित एवं प्रताड़ित किया गया वहीं ब्रिटिश काल में राष्ट्रीय एकता को तोड़ने हेतु सरकारी तन्त्र ने प्रयास किये किन्तु अयोध्यावासी वैश्य समाज ने अपने सामाजिक संस्कारों के बल पर उनका मुकाबला हिमालय की तरह अडिग होकर किया। उन्हें न तो कोई प्रलोभन डिगा सका और न कोई यातना।

सन् 1889 में अ. भा. हिन्दु महासभा की स्थापना के पश्चात् पन्द्रह बीस वर्षों में आई जन चेतना जहाँ स्वतंत्रता आन्दोलन को बल दिया। वहीं जातीय संगठनों के रूप में विभिन्न समाजों को एकजुट होने के लिये अनुप्राणित किया। राष्ट्रप्रेम की इसी बयार में समाज के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री पुत्तूलाल गुप्त (बुढ़वाँ जिला-फतेहपुर) के मन में आया कि यदि अपने समाज को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित कर लिया जावे तो स्वतंत्रता आन्दोलन को और अधिक शक्ति प्राप्त हो सकती है। इसलिये स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री पुत्तूलाल गुप्त ने राष्ट्र जागरण के साथ-साथ समाज जागरण का बिगुल फूंका। उन्होंने सन् 1908 में फतेहपुर जनपद में जहानाबाद, अमौली से अभियान को प्रारम्भ कर अयोध्या जी टिकैत नगर, बाराबंकी, मैनपुरी, फर्रूखाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, बांदा, हमीरपुर, मऊरानीपुर (झाँसी), नागपुर, वर्धा इत्यादि का एक वर्ष तक संघन दौरा किया। कल्पना करे कि उस समय के साधनहीन समय में 'लुटिया डोर लेकर' निकले श्रद्धेय पुत्तूलाल गुप्त का डेढ़ वर्ष का प्रयास कितना कठिन रहा होगा। परन्तु उन्होंने हिम्मत नही हारी। उनके इन्हीं प्रयासों का परिणाम था कि पूरे देश के बन्धुओं को केन्द्रीय संगठन की आवश्यकता का अनुभव हुआ एवं चैत्र अष्टमी सम्वत् 1965 विक्रमी दिनांक 15 मार्च 1909 को मैनपुरी के दाऊजी के मंदिर में अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा की विधिवत स्थापना हुई महासभा की स्थापना के लिये राष्ट्रव्यापी योगदान चलाने वाले पुत्तूलाल गुप्त ने लोगों की सर्वसम्मत राय के बावजूद महासभा अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस समय हमारा लक्ष्य भारतभूमि को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना हैं। इसलिये मै। महासभा में कोई पद नहीं लूंगा। परन्तु महासभा के संगठन को सदैव सहयोग दूंगा और यह भी चाहूंगा कि महासभा के अघोषित कार्यक्रम के रूप में स्वतंत्रता आन्दोलन में समाज की पूरे देश मे व्यापक भागीदारी हो। ऐसे स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, महासभा के संस्थापक श्री पुत्तू लाल गुप्त ने अपने व्यापार को छोड़कर आजादी के लिये सर पर कफन बांध

लिया और सन् 1927 में फतेहपुर कलेक्ट्रेट में हुये पुलिस लाठीचार्ज में उन्होंने भारत माता की जय बोलते हुये अपना बलिदान किया। महासभा संस्थापक श्री पुत्तूलाल गुप्त, दिवारी लाल, वंशीधर गुप्ता, उल्फतराय, बदलू प्रसाद, राम सहाय, पट्टूलाल, गोपीनाथ इत्यादि ने 15 मार्च 1909 को दाऊ जी के मन्दिर में मैनपुरी में अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी श्री वैश्य महासभा के प्रथम अध्यक्ष (सभापति) श्री रघुवर दयाल (टिकैत नगर) सीताराम (कानपुर) उप सभापति श्री उल्फतराय (मैनपुरी) प्रधानमंत्री तथा गौरीशंकर पट्टूलाल सिरसागंज, मंगदलाल, गोकुल प्रसाद, गोपानाथ उपमंत्री तथा 26 अन्य लोगों की साधारण सभा घोषित की। इस अवसर पर स्वतंत्रता आन्दोलन के अघोषित उद्देश्य (क्यों कि स्वतंत्रता आन्दोलन का एजेण्डा घोषित करने पर अंग्रजों का कोपभाजन होना पड़ता) के अतिरिक्त महासभा के सात उद्देश्य निश्चित किये गये। (1) अयोध्यावासी वैश्य समाज की वंशावली खोजकर छापने की कोशिश करना (2) जाति में विद्या का प्रचार करना। (3) वर्णानुकूल कर्म करने की कोशिश करना। (4) अयोध्यावासी वैश्य समाज के विभिन्न घटकों में एकता स्थापित करना । (5) बालक का 16 वर्ष कन्या का 12 वर्ष से कम आयु व पुरूष का 50 वर्ष सेअधिक हो जाने पर विवाह न करने की कोशिश करना। (6) सभा को दान देने की कोशिश करना। (7) पूरे देश में महासभा की स्थानीय शाखाओं का गठन करना।

महासभा का मुखपत्र प्रारम्भ में अयोध्यावासी पंच एवं तत्पश्चात गुप्त गोदावरी के नाम से निकला वर्तमान में विगत 28 वर्ष से अवध वणिक के नाम से निकल रहा है। महासभा को इस मध्य श्री कमल भैय्या, वीरेन्द्र नाथ गुप्ता, शिवराज चूड़ी वाले, गुलाब गुप्ता, मदन चन्द्र कश्यप, राजकुमार राज, उमाशंकर गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, सनत कुमार गुप्ता इत्यादि ने अपने अध्यक्षकाल में नेतृत्व प्रदान किया। वर्तमान टीम (अध्यक्ष -राजेश गुप्ता जबलपुर, कार्याध्यक्ष डा. अजय गुप्ता लखनऊ, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द आदर्शी नवादा बिहार, महामंत्री सुनील गुप्ता रायबरेली, कोषाध्यक्ष दीपचन्द्र गुप्ता देहरादून, मुख्य संगठक लवकुश गुप्ता अतर्रा इत्यादि) रायबरेली में सम्पन्न 33वें अधिवेशन में निर्वाचित हुई है।

रामभक्त अयोध्यावासी वैश्यों के आदि महापुरुष महाराजा मणिकुण्डल जी से सम्बन्धित प्रमुख तथ्य

1. मणिकुण्डल जी का जन्म महाराजा दशरथ के शासनकाल में अयोध्या के नगर श्रेष्ठि मणिकौशल (पिता) एवं शाकम्भरी (माता) के यहाँ पौष पूर्णिमा को हुआ था।
2. रामवनगमन के समय अयोध्या से चले बालक मणिकुण्डल जी की किशोरावस्था जीवन नगर में व्यतीत हुई।
3. मणिकुण्डल जी को उनके मित्र गौतम ने जिस स्थान पर अंगहीन किया था, वह स्थान पुराणों में चक्षुस्तीर्थ के नाम से उल्लिखित हैं वहाँ विभीषण एवं उनके पुत्र वैभीषणि ने विशाल्यकरणी महाँषधि एवं दिव्य मंत्रों द्वारा मणिकुण्डल जी को सर्वाश सुन्दर रूप प्रदान किया था।

4. महापुर के राजा महाबली की पुत्री महारूपा का मणिकुण्डल जी ने इन्हीं मंत्रों एवं विशल्यकरणी महौषधि से उपचार किया था। तदुपरान्त यही महारूपा उनकी पत्नी बनीं और वे महापुर के राजा बने। राजा बनने के पश्चात वे पत्नी सहित श्रीराम के दर्शन करने अयोध्या गये थे।
5. आपके शासनकाल में राज्य में साहित्य, संस्कृति, संगीत, काव्यकला, युद्धकला, वास्तुवेद अभियान्त्रिक एवं ज्ञान विज्ञान का समुचित विकास हुआ।
6. मणिकुण्डल जी के पश्चात् उनके पुत्रों मणि एवं माणिक ने सफलतापूर्वक राज्य किया।
7. मणिकुण्डल जी को तिल, संतरा एवं खीर विशेष प्रिय थे।

नम्र निवेदनः-

अयोध्यावासी वैश्यों के आदिपुरुष महाराजा मणिकुण्डल जी की जयन्ती प्रत्येक वर्ष **पौष पूर्णिमा** को पूरे देश में मनायी जाती है। आप भी अपने क्षेत्र में एवं घरों में समारोह कर एवं पूजन कर जयन्ती मनावें।

★ इस वर्ष प्रत्येक जनपद, कस्बा, नगर, मुहल्ला में मणिकुण्डल जयन्ती कार्यक्रम हों। समाचार क्षेत्रीय अखबारों एवं महासभा में प्रकाशनार्थ भेजें।

★ पौष पूर्णिमा को अपने - अपने घरों में भी मणिकुण्डल पूजन अवश्य करें तथा महिलाओं बच्चों को सम्मिलित कर उन्हें भी अपने समाज की उत्पत्ति इतिहास के बारे में जानकारी दें।

★ मणिकुण्डल आरती, चालीसा, वन्दना इत्यादि कंठस्थ करने का प्रयास करें एवं पूजन-सामाजिक बैठकों/ कार्यक्रमों में उनका पाठ अवश्य करें।

★ यदि सम्भव हो तो क्षेत्र में किसी उपयुक्त स्थान (मन्दिर/ धर्मशाला/पार्क/चौराहा/स्मारक/ प्रांगण इत्यादि) में आदि पुरुष मणिकुण्डल जी की प्रतिमा की स्थापना करें प्रतिमा मणिकुण्डल सेवा संस्थान द्वारा अपने खर्च पर निःशुल्क प्रदान की जावेगी।

★ अयोध्यावासी वैश्यों की उत्पत्ति, विकास, इतिहास, महाराजा, मणिकुण्डल जी का जीवनवृत्त महासभा व सभाओं का इतिहास एवं समाजोत्थान के प्रयासों से नयी पीढ़ी को अवगत कराये। अयोध्या , चित्रकूट, मैनपुरी सहित उ0प्र0, महाराष्ट्र, बिहार में स्थित समाज के मानस्थलों की जानकारी विस्तारित करायें। उन स्थानों पर जाने का प्रयास करें।

★ अपने घर/प्रतिष्ठान/पूजा स्थल प्रवेश द्वार अथवा उपयुक्त स्थान पर मणिकुण्डल जी का चित्र/टाइल्स/ फ्लैक्स/कलेण्डर/फोटो इत्यादि अवश्य लगायें।

★ मणिकुण्डल जी के नाम पर फर्म/विद्यालय/धर्मशाला/काम्पलेक्स/ होटल/चिकित्सालय/ इंस्टीट्यूट /प्रशिक्षण संस्थान/ मार्केट/सड़क/सरोवर/वेबसाइट/अखबार/ उत्पाद इत्यादि बनाने का प्रयास करें।

■■■

अयोध्यावासी वैश्य समाज के विजयी जनप्रतिनिधियों का कानपुर में जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह

आचार्य चाणक्य ने कहा है कि जिस प्रकार साहित्य समाज का दर्पण है, उसी प्रकार राजनीति तत्कालीन समाज का प्रतिबिम्ब है। इतिहास हो या दर्शन हम लोग यदि राजनीति एवं राजनैतिक दशा-दिशा का अध्ययन कर लें तो तत्कालीन समाज की वस्तुस्थिति का ज्ञान हो जाता हैं। उदाहरण स्वरूप अशोक काल, मौर्यकाल, स्वर्णयुगकाल, पृथ्वीराज काल, मुगल काल ब्रिटिश काल की राजनीति का अध्ययन करते हैं तो पाते है कि कभी वैदिक संस्कृति कभी सनातन तो कभी बौद्ध संस्कृति, कभी परस्पर फूट की राजनीति तो कभी मुस्लिम आक्रान्ताओं के हमले या शासन का चित्रण या भारतीय संस्कृति के नाश के प्रयास अथवा विधर्मियों द्वारा धर्मान्तरण इत्यादि से कभी पीड़ित तो कभी गर्वानुभूत जनता, कभी डरी सहमी या विवश प्रजा अथवा स्वतंत्रता के लिये बेचैन संघर्षरत जनता के ऐतिहासिक तथ्य साफ-साफ दृष्टिगोचर हो जाते है। यह सिद्धान्त आज भी अक्षरशः सत्य एवं व्यावहारिक है।

वैश्य समाज धर्मप्राण एवं भारतीय संस्कृति का अनुयायी, पोषक तथा समर्पित समाज रहा है। संस्कृति की रक्षा के लिये संघर्ष करने का मौका हो अथवा भारतमाता की स्वतंत्रता के लिये प्राणोत्सर्ग करने का अवसर, वैश्य समाज सदैव अग्रणी रहा हैं। अयोध्यावासी वैश्य समाज तो रामवन गमन काल से ही प्रभु भक्ति में अयोध्या स्थित घर, व्यापार, सुख सुविधा साधन त्यागने वाला राष्ट्रभक्त समाज रहा है। मणिकुण्डल जी के नेतृत्व में वनगमन हो, महाकवि आमानन्द के रूप में मध्यकाल में भक्ति गंगा का प्रवाहन हो अथवा स्वतंत्रता आन्दोलन में शिवराज जी चूड़ी वाले, पुत्तुलाल गुप्त इत्यादि का बलिदान हो, सभी अवसर पर अयोध्यावासी वैश्य भारत माता के पक्ष में सकारात्मक राजनीति करते रहे। परिणाम स्वरूप बादशाह गुप्त के रूप में समाज ने अपना सांसद/विधायक देखा, जिन पर हम सब गर्व करते हैं। कालान्तर में स्वतंत्रता के बाद अपना समाज राजनीति से उदासीन हो गया और शून्यता की स्थिति आ गई। तत्पश्चात अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा ने सर्व वैश्यों के संगठन अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन में श्री वीरेन्द्रनाथ गुप्त, एटा, श्री कमल भैय्या, देवी चरन गुप्ता (जबलपुर), उमाशंकर गुप्त (कानपुर), दुर्गा प्रसाद गुप्ता (नागपुर), महेन्द्र गुप्ता (अतर्रा), राजकुमार राज (बांदा) संतोष गुप्त (बांदा) इत्यादि ने अपने समाज को राजनीति में अग्रणी करने का वीणा उठाया। अयोध्यावासी वैश्य समाज की सक्रियता अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, वैश्य एकता परिषद इत्यादि में भी अग्रणी भूमिका में रही। जिसके परिणामस्वरूप शुक्लागंज, उन्नाव से श्रीमती उमा गुप्ता एवं बांदा से श्री राजकुमार राज नगर पालिका

अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। तत्पश्चात समाज की राजनैतिक सक्रियता ने मध्य प्रदेश में द्वारिका प्रसाद गुप्ता और उत्तर प्रदेश में रामदेव आचार्य को विधायकी प्रदान की। हर्ष का विषय है कि अयोध्यावासी वैश्य समाज की राजनैतिक सक्रियता का जागरण रथ चतुर्दिक चल रहा है। इस वर्ष की स्थानीय निकाय चुनाव में सर्व श्री नरेन्द्र गुप्ता (कर्वी, चित्रकूट) तथा श्री विनोद गुप्ता (परसेदपुर) से नगरपालिका अध्यक्षदुबारा निर्वाचित हुये है। बांदा नगर पालिका अध्यक्ष पद पर श्रीमती मालती दास गुप्ता एवं अजयगढ़ नगरपालिका अध्यक्ष पद पर श्रीमती सरोज गुप्ता उर्फ सीता गुप्ता की विजय ने समाज में पुरुष एवं मातृशक्ति के राजनैतिक जागरण का उदघोष कर दिया है। इस मध्य समाज की विशिष्ट उपलब्धि रहे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के दायित्वों का निर्वाह करने वाले श्री आदेश गुप्ता का उल्लेख करना आवश्यक हैं। पहले दिल्ली नगर निगम में पार्षद तत्पश्चात मेयर बनकर जहाँ आपने अपनी कार्यक्षमता का सफल प्रदर्शन किया और तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अयोध्यावासी वैश्य समाज का मस्तक गर्व से ऊँचा कर दिया हैं। इसी प्रकार श्री रंजीत महतो ने लोजसपा (पारस गुट) के बिहार प्रदेश अध्यक्ष के रूप में बिहार की राजनीति मे महत्वपूर्ण स्थान बनाया है।

इस वर्ष के स्थानीय निकाय चुनाव में समाज के राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने चतुर्दिक विजय प्राप्त की है। जहाँ महिला सीट होने के कारण कानपुर से दुर्गा प्रसाद गुप्त पार्षद की पत्नी श्रीमती श्वेता दुर्गा गुप्ता भारी बहुमत से कानपुर की एकमात्र महिला वैश्य पार्षद निर्वाचित हुई है। इसी प्रकार बांदा नगर पालिका से राकेश गुप्ता ददद्दू, आशीष गुप्ता, अतर्रा नगर पालिका से स्वप्निल गुप्ता, श्रीमती कुन्ती देवी, श्रीमती अनुराधा पार्वती, श्रीमती सरिता राज किशोर गुप्ता, श्रीमती रमा मुन्ना लाल गुप्ता, गुरुसहायगंज नगरपालिका में संतोष गुप्ता (मुल्लू भइया), वीरेन्द्र गुप्ता, श्रीमती सावित्री दिनेश गुप्ता, अलीगंज नगर पालिका से श्रीमती राजावेटी मुकेश गुप्ता तथा उतरौला नगरपालिका में श्री राजकुमार कौशल (राजू), श्रीमती गीता देवी कौशल एवं श्रीमती माधुरी कौशल ने विजय प्राप्त की।

अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के संरक्षण में महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान ने कानपुर स्थित स्वजातीय विद्यालय श्री शिवप्रसाद गुप्त बालिका इण्टर कालेज में वैश्य जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह के मुख्य अतिथि सांसद श्री देवेन्द्र सिंह भोले ने वैश्य समाज की राजनैतिक सक्रियता को देश के लिये शुभ संकेत बताते हुये कहा कि देश की स्वतंत्रता में वैश्य समाज का बहुत योगदान हैं। विशिष्ट अतिथि भी सत्यप्रकाश गुलहरे (अध्यक्ष-उ0प्र0 वैश्य व्यापारी सभा) ने अयोध्यावासी वैश्यों के रामप्रेम, राष्ट्रप्रेम एवं साफ सुथरी राजनीति की प्रशंसा की। साथ ही कहा कि उपवर्ग भूल कर हम सबको सम्पूर्ण वैश्य एकता का संकल्प लेना चाहिये। समारोह में नगर पालिका बांदा के पूर्व अध्यक्ष एवं महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार राज ने अध्यक्षता करते हुये कामना व्यक्त की और कहा कि समाज के राजनैतिक कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन देने वाला अपने समाज के इतिहास में यह पहला कार्यक्रम है। निश्चय ही इस वैश्य जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह से तमाम राजनैतिक कार्यकर्ताओं को राजनैतिक उत्कर्ष प्राप्त होने में अनुकूलता प्राप्त होगी। इस हेतु समारोह की प्रेरणा देने वाले श्री उमाशंकर गुप्त एवं उनकी टीम को पूरे समाज की ओर बहुत-बहुत बधाई।

प्रस्तुति-
दुर्गाप्रसाद गुप्ता
पार्षद

इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील गुप्ता (रायबरेली) एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. शिवशरण लाल वैश्य ने भी अपने विचार व्यक्त किये। समारोह को सफल बनाने में संयोजक मनोज गुप्ता (गुड्डू), स्वागताध्यक्ष सुशील गुप्ता, स्वागत मंत्री सन्तराम गुप्ता, आनन्द गुप्ता, अनिल गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्त, पार्षद, प्रदीप गुप्ता, रामरूप गुप्ता, सिद्ध गोपाल प्रभाकर, अमित कौशल, विक्की, रामसेवक गुप्त सर्राफ, शक्ति स्वरूप गुप्त, कमल गुप्ता, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, हरीश गुप्ता, विष्णु गुप्ता, विनोद गुप्ता, मनोज गुप्ता (मंगलम् ज्वैलर्स) रमेश गुप्ता इत्यादि का विशेष योगदान है।■

आवरण समाचार

स्वजातीय मन्दिर के विश्वस्तरीय निर्माण हेतु अयोध्या जी में महासभा बैठक सम्पन्न

प्रभु श्री राम की नगरी, सप्तपुरी में एक अयोध्या देश का गौरव भी है और आत्मा भी। यहाँ पर स्थित श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर जिसके गर्भग्रह में श्रीराम दरबार , श्री हनुमान जी एवं श्री मणिकुण्डल जी की मूर्तियां विराजमान हैं के भव्य सुन्दरीकरण एवं विश्वस्तरीय निर्माण हेतु अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के तत्वावधान एवं श्री आदेश गुप्ता (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा दिल्ली प्रदेश) के सानिध्य में एक बैठक प्रभु श्रीराम एवं महाराजा मणिकुण्डल जी की नगरी अयोध्या के सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता महासभा के कार्याध्यक्ष डा0 अजय गुप्त ने की। इस अवसर पर महासभा निदेशक एवं मन्दिर कमेटी के पूर्व महामंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता (कानपुर) ने मन्दिर के इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए ट्रस्ट का गठन कर शीघ्र निर्माण करने की आवश्यकता बतायी। इस अवसर पर मन्दिर के भव्य स्वरूप के लिये सतत् प्रयासी डा0 के0 एन0 कौशल ने कहा कि विगत प्रयासों में अवरोध करने वाले चिन्तन करें। कब्जेदारों का कोई अहित नहीं होगा। वे सहयोग करें। भव्य मन्दिर निर्माण होने दें। श्री प्रेम चन्द्र गुप्त (गोण्डा) ने कहा कि अपने जीवन काल में अपने समाज के इस मन्दिर के भव्य एवं विश्वस्तरीय स्वरूप को देख पाना मेरे जीवन का सर्वोत्तम सुखद क्षण होगा। अतः मेरी कामना है कि आज ही ट्रस्ट गठन के प्रारम्भिक निर्णय कर कार्य चालू करे। इस अवसर पर महासभा कोषाध्यक्ष श्री दीपचन्द्र गुप्ता (देहरादून) ने अयोध्यावासी वैश्यों की अपनी मूलभूमि पर बने ऐतिहासिक मन्दिर के विश्वस्तरीय निर्माण हेतु विदेशों से भी सहयोग लाने का प्रयास करने की घोषणा की।

> अयोध्या में श्री मणिकुण्डल जी की जन्मस्थली पर सैकड़ों वर्ष पूर्व बने श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर के जीर्णोद्वार एवं भव्य सुन्दरीकरण पर महासभा एवं मन्दिर समिति की गम्भीर बैठक में ट्रस्ट गठन कर विश्व स्तरीय विशाल मन्दिर बनाने का संकल्प लिया गया।

मन्दिर कमेटी के संरक्षक देशराज कौशल ने उपस्थित सभी समाज सेवियों के विचारों से सहमत होते हुये मन्दिर के विशाल निर्माण के लिये वृहद ट्रस्ट गठन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही कहा कि यह सुखद है कि अब मन्दिर का स्वरूप तालाब की तुलना में समुद्र बनने का होगा अर्थात अयोध्या के बदलते स्वरूप में हमारा मन्दिर भी सुन्दर और विश्वस्तरीय बने। इसमें आप सब अर्थात सम्पूर्ण अयोध्यावासी वैश्यों से सहयोग की हम अपेक्षा करते है।

बैठक में देवीचरण कौशल (अध्यक्ष- मन्दिर कमेटी) एवं महामंत्री माधौ0प्रसाद कौशल ने अपनी सहमति देते हुये कहा कि मन्दिर का भव्य स्वरूप बनने से पूरे देश में रह रहे अयोध्यावासी वैश्यों के लिये गौरव की बात होगी। आप लोगों की सहयोग आकांक्षा से हम भी प्रेरित हुए हैं और हम सब के सम्मिलित प्रयास से अपना मन्दिर निश्चय ही भव्य स्वरूप पा सकेगा।

बैठक में श्री आदेश गुप्ता (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा दिल्ली) ने कहा कि अपने समाज में ऐसे भामाशाह है जो अकेले मन्दिर निर्माण करा सकते हैं परन्तु जब तमाम लोगों के सहयोग से कार्य होता है तो उसमें सामूहिक, सामाजिक स्वीकृति स्वतः प्राप्त हो जाती है। इसलिये एक विशाल ट्रस्ट का निर्माण कर मन्दिर को विश्वस्तरीय स्वरूप दें जिससे विदेशों में भी अपने मन्दिर की, अपने अयोध्यावासी वैश्य समाज की चर्चा हो, उसे अत्यधिक सम्मानित दृष्टि से देखा जाये, उसकी छवि प्रभावी बने। इस अवसर पर सर्व श्री कमल कौशल (अयोध्या), श्री एस एल वैश्य, एडवोकेट (लखनऊ), डॉ0 शिवशरण लाल वैश्य (रायबरेली), अमरचन्द्र वैश्य (रायबरेली), अजीत प्रकाश गुप्ता (अतर्रा), बुद्धूलाल कौशल लालजी (नवाबगंज, गोण्डा), सुनील कौशल (अयोध्या), आलोक कौशल (अयोध्या), कैलाश चन्द्र गुप्त (फर्रूखाबाद), सुरेन्द्र गुप्ता (जबलपुर) इत्यादि ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर बलराम गुप्ता (दिल्ली) एवं उमेश गुप्ता खुनखुन (लखनऊ) ने पांच-पांच कमरे दान स्वरूप बनवाने की घोषणा की। डॉ. अजय गुप्ता ने अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के माध्यम से दस करोड़ की अनुदान राशि लाने के प्रयास का संकल्प दोहराया। अन्य तमाम बन्धुओं ने भी घोषणाये की।आदेश जी ने व्यक्तिगत, सामाजिक एवं शासकीय स्तर पर बड़े आर्थिक योगदान का आश्वासन दिया।

अन्त मे निर्णय हुआ कि बैठक में उपस्थित सभी बन्धुओं को ट्रस्ट का संस्थापक सदस्य मानते हुये वर्तमान मन्दिर कमेटी के सभी लोगों को समाहित करते हुये विशाल ट्रस्ट का गठन शीघ्रातिशीघ्र करें। गठन कर सन् 2023 में ही श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती राम जानकी मन्दिर के विश्वस्तस्तरीय स्वरूप का निर्माण कार्य चालू हो सके।

■■■

प्रस्तुति- **प्रदीप गुप्ता**
सह सम्पादक-अवध वणिक

समाज का प्रथम रिसार्ट ' अमित रिजार्ट' का शुभारम्भ

कानपुर। अयोध्यावासी वैश्य समाज प्रगतिपथ पर अग्रसर है। इसी परिप्रक्ष्य में विगत 17अक्टूबर 2023 को सिंहपुर बिठूर रोड पर मटका चौराहे के निकट साढ़े पांच बीघा क्षेत्रफल में बने भव्य एवं दिव्य '' अमित रिजार्ट '' का भारतीय परम्पराओं से शुभारम्भ किया गया। इसमें आधुनिक साजसज्जा युक्त चालीस कमरे, विशाल हाल, सुव्यवस्थित अति विशाल लान, वाटर फाल, स्वीमिंग पुल इत्यादि का मनोरम दृश्य सभी का मनमोहक है। चौबेपुर निवासी श्री ओमप्रकाश गुप्ता एवं उनके पुत्र श्री सुमित गुप्ता ने कानपुर की अत्यधिक प्राइम लोकेशन पर 'अमित रिजार्ट' का निर्माण कराकर अपने पूर्वजों, अपने परिवार और अयोध्यावासी वैश्य समाज को गौरवान्वित किया है। महासभा एवं पत्रिका परिवार की ओर से उन्हें बधाई।■■■

ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व

अयोध्यावासी वैश्यों की प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा

पूरे विश्व में निवास कर रहे अयोध्यावासी वैश्य समाज में परस्पर संवाद सहयोग का नया युग प्रारम्भ हो इस हेतु महासभा काफी समय से प्रयासरत रही है। प्रथम बार श्री सनत गुप्त (अध्यक्ष) एवं धर्मेन्द्र कौशल (महामंत्री) के कार्यकाल में अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ का गठन किया गया। यद्यपि उस कार्यकाल में कुछ विशेष कार्य नहीं हो सका परन्तु भावना बनी रही। रायबरेली अधिवेशन के पश्चात निदेशक उमाशंकर गुप्त ने इस दिशा में कुछ करने हेतु महामंत्री सुनील गुप्ता जी को प्रेरित किया। अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा जून 2023 में प्रस्तावित हुई परन्तु सुनील गुप्ता के पूज्यनीय पिताजी के निधन के कारण स्थगित हो गई। तदुपरान्त दशहरा (24 अक्टूबर 2023) से 31 अक्टूबर 2023 तक यात्रा आयोजित की गई। प्रारम्भ में एक बस की तैयारी थी जो तीन बसों के कारवाँ के रूप में बदल गयी। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार एवं दिल्ली इत्यादि प्रदेशों के लगभग 150 बन्धुओं-बहिनों की अन्तर्राष्ट्रीय यात्रा रायबरेली एवं लखनऊ से प्रारम्भ होकर अयोध्या पहुंची। अयोध्या में मणिकुण्डल जन्मस्थली पर बने पूर्वजों की धरोहर श्री अयोध्यावासी वैश्य पंचायती रामजानकी मन्दिर में प्रभु श्रीराम, हनुमान एवं मणिकुण्डल जी के दर्शन किये। तदुपरान्त रानीगंज में श्री एस.एल वैश्य (अध्यक्ष अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ), अवधेश कौशल (उ.प्र0 अध्यक्ष-महासभा), शिवकुमार गुप्त प्रदेश अध्यक्ष- मणिकुण्डल सेवा संस्थान उ0प्र0, शिव कुमार गुड्डू (प्रभारी-मान स्थल प्रकोष्ठ) तथा स्थानीय बन्धुओं ने भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात अयोध्या से रानीगंज, लुम्बनी पोखरा, काठमाण्डु पहुंची। काठमांडू में अमरनाथ सर्राफ ने भव्य स्वागत किया। तदुपरान्त यात्रा जनकपुर मायानगरी पहुंची। यहाँ पर संजय कौशल, विजय कौशल, सुनील कौशल, आरती कौशल, कुसुम कौशल, सुषमा कौशल, लक्ष्मी कौशल, आदित्य कौशल, उदित कौशल, अनिल कौशल, शिवा कौशल इत्यादि ने नेपाली अंगवस्त्र पहनाकर तिलक अक्षत कर स्वागत किया। मायानगरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. शिवशरण लाल वैश्य ने उपस्थित स्वजातीय समुदाय को सम्बोधित किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुनील गुप्ता ने अयोध्यावासी वैश्य पत्रक, अवध वणिक पत्रिका, प्रणवीर मणिकुण्डल, कवितावली एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। पोखरा काठमाण्डु से जनकपुर के पश्चात काशी की ओर प्रस्थान किया। वही पर पशुपतिनाथ जी की तरह बाबा विश्वनाथ का आशर्वाद प्राप्त किया। तदुपरान्त रायबरेली में यात्रा का समापन हुआ।

यह यात्रा इसलिये महत्वपूर्ण है कि अयोध्यावासी वैश्यों ने पहली बार भारत के बाहर स्वजातीय जागरण के लक्ष्य को साकार रूप दिया। साथ ही प्रभु श्री राम को समर्पित यात्रा से धार्मिक भावनाओं को भी बल प्राप्त हुआ। आशा है कि तीर्थयात्रा-समाजयात्रा का यह प्रयास अन्य देशों में भी पहुंचेगा और अयोध्यावासी वैश्यों में वसुधैव कुटुम्बकम् का सूत्र वाक्य साकार हो सकेगा। ■■■

प्रस्तुति- **सुरेश कान्हा**
प्रदेश अध्यक्ष-नवयुवक संघ, उ.प्र.

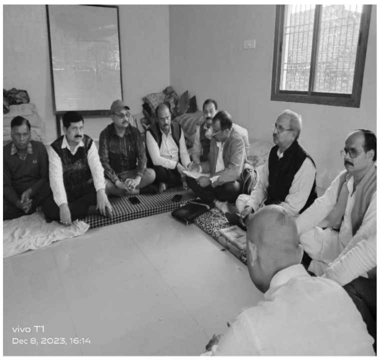

महासभा एवं चित्रकूट धर्मशाला ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

अतर्रा जि. बांदा में विगत 8 दिसम्बर 2023 को श्री अयोध्यावासी वैश्य समाज रामजानकी धर्मशाला ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें धर्मशाला के प्रबन्धक उमाशंकर गुप्त (अतर्रा) के निधन के कारण रिक्त स्थान की पूर्ति हेतु ट्रस्टी गणों ने बैठक की। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने प्रस्ताव दिया कि प्रबन्धक के पद पर कुमार गौरव को मनोनीत किया जाये। जिसका श्यामू गुप्ता, अर्जुन गुप्ता, मनोज गुप्ता ‘ गुड्डू’, जयशंकर गुप्ता, आदित्येश प्रभाकर, लवकुश गुप्ता, रामेश्वर पत्रकार, विवेकानन्द गुप्ता, चन्द्रप्रताप गुप्ता, सोमनाथ गुप्ता, किशन कुमार गुप्ता, विनोद गुप्ता, चन्दन गुप्ता, जमुना दास, रामशरण गुप्ता, कल्लू राम गुप्ता, राजेन्द्र गुप्ता, मूल चन्द्र गुप्ता, श्रीमती प्रभा गुप्ता, श्रीमती वर्षा गुप्ता, सुनील गुप्ता (रायबरेली), सुनील गुप्ता (चित्रकूट), शिवमोहन गुप्ता इत्यादि सभी लोगों ने सर्वसम्मति से समर्थन करते हुये पारित किया। बैठक में ही कुमार गौरव ने प्रबन्धक पद हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की। इसके पश्चातअध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता (कानपुर) ने प्रबंधक पद पर कुमार गौरव के मनोनीत होने की घोषणा की।

अतएव ट्रस्ट पदाधिकारी अब निम्न प्रकार हैः-

- श्री रामेश्वर प्रसाद गुप्ता — संरक्षक
- श्री कल्लूराम गुप्ता — संरक्षक
- श्री उमाशंकर गुप्ता — अध्यक्ष
- श्री कुमार गौरव — प्रबंधक
- श्री चन्द्र प्रताप गुप्ता — महासचिव
- श्री अवधेश कुमार गुप्ता — कोषाध्यक्ष
- श्री विवेकानन्द गुप्ता — वरिष्ठ उपाध्यक्ष
- श्री मूल चन्द्र गुप्ता — उपाध्यक्ष
- श्री कालिका प्रसाद गुप्ता — कानूनी सलाहकार
- श्री श्याम कुमार गुप्ता — संयुक्त सचिव
- श्री राम शरण गुप्ता — लेखा परीक्षण
- श्री जयशंकर गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री मनोज गुप्ता (गुड्डू) — वरिष्ठ सदस्य
- श्री सोमनाथ गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री आदित्येश प्रभाकर — वरिष्ठ सदस्य
- श्री राम नरेश गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री जमुना दास गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री विनोद गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री चन्दन गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य
- श्री किशन कुमार गुप्ता — वरिष्ठ सदस्य

सदस्य

• श्री राजेश गुप्ता	जबलपुर
• श्री शिवमोहन गुप्ता	अतर्रा
• श्री राजन गुप्ता	छतरपुर
• श्री राम किशन गुप्ता	बाँदा
• श्री राजेश गुप्ता	बाँदा
• डॉ. मनीष गुप्ता	बाँदा
• श्री राजेन्द्र गुप्ता	अतर्रा
• श्री सुरेश गुप्ता	बाँदा
• श्री विजय गुप्ता	चित्रकूट
• श्री गिरधारी लाल गुप्ता	बाँदा
• श्री श्रीकृष्ण गुप्ता	फतेहपुर
• श्रीमती प्रभा गुप्ता	बाँदा
• श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता	सतना
• श्री सुनील कुमार गुप्ता	चित्रकूट
• डॉ0 अजय गुप्ता	लखनऊ
• श्री प्रदीप कुमार गुप्ता	सतना
• श्री राजकुमार गुप्ता -राज’	बाँदा
• श्री अर्जुन प्रकाश गुप्ता	अतर्रा
• श्री संतोष गुप्ता	बाँदा
• रामचन्द्र गुप्ता ‘चन्दी’	बाँदा
• बाबूलाल गुप्ता	बाँदा
• लवकुश गुप्ता	अतर्रा
• अवधेश गुप्ता	खुरहण्ड
• श्री नरेन्द्र गुप्ता	कर्वी
• श्रीमती वर्षा गुप्ता	बाँदा
• श्री राजू गुप्ता	कर्वी
• श्री महेश गुप्ता	चित्रकूट
• श्री सुनील गुप्ता	रायबरेली
• दिलीप कुमार गुप्ता	नरैनी
• श्रीमती अनीता गुप्ता	चित्रकूट
• श्री दीपचन्द गुप्ता	देहरादून
• श्री संतोष गुप्ता	बाँदा
• रामचन्द्र गुप्ता ‘चन्दी’	बाँदा
• बाबूलाल गुप्ता	बाँदा
• लवकुश गुप्ता	अतर्रा
• अवधेश गुप्ता	खुरहण्ड
• श्री नरेन्द्र गुप्ता	कर्वी
• श्रीमती वर्षा गुप्ता	बाँदा
• श्री राजू गुप्ता	कर्वी
• श्री महेश गुप्ता	चित्रकूट
• श्री सुनील गुप्ता	रायबरेली
• दिलीप कुमार गुप्ता	नरैनी
• श्रीमती अनीता गुप्ता	चित्रकूट

प्रस्तुति-

अर्जुन प्रकाश गुप्ता

अतर्रा, जिला बाँदा

बारुन बाजार ब्रहम भोज के मंच पर विराजमान आयोजक श्री गुरुशरण लाल कौशल, मनोज गुप्ता गुड्डू, डा. अजयगुप्ता, उमा शंकर गुप्ता, राम सेवक सर्राफ, सुयीील गुप्ता इत्यादि

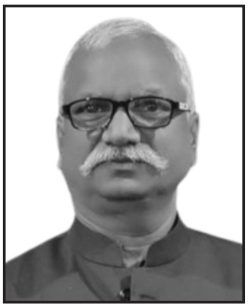

प्रस्तुति
शिव कुमार कौशल
प्रदेश अध्यक्ष
महाराजा मणि कुण्डल संस्थान
उ.प्र.

उत्तर प्रदेश में ब्रहम भोजों की धूम

अयोध्यावासी वैश्य समाज भारतीय संस्कृति का पोषक एवं अनुगामी समाज है। सांस्कृतिक धरोहरों, परम्पराओं एवं उनके अनुपालन में धर्मभीरु अयोध्यावासी वैश्य समाज अग्रणी रहा है और आज भी है। इसकी स्पष्ट झलक उत्तरप्रदेश में दिखती है, जहाँ समाज द्वारा आयोजित विशाल भोजों में दस से पन्द्रह हजार स्वजातीय बन्धु सपरिवार पधारते हैं। इनमें सिख समुदाय द्वारा आयेजित लंगर का दृश्य होता है। दस दिवसीय श्रीमद्‍भागवत कथा के उपरान्त आयोजित इन भोजों में दूर-दूर से समाज के लोगों का आना समाज की राष्ट्रभक्ति, रामभक्ति, श्रद्धा, विश्वास एवं लोक संस्कृति के संवहन का स्पष्ट प्रमाण है।

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष ऐसे ही तीन भोजों का आयोजन हुआ। प्रथम तुलसमपुर जि. अयोध्या में 7 नवम्बर 2023 को कथा उपरान्त विशाल भोज का आयोजन हुआ जिसमें लगभग दस हजार बन्धु उपस्थित हुये। आयोजक श्री रामतीरथ कौशल जी थे। समारोह में समाज के विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान भी किया गया।

इसी प्रकार दूसरा विशाल भोज सांगीपुर जि. प्रतापगढ़ में 24-25 नवम्बर 2023 को भोज का आयोजन सांगीपुर जि. प्रतापगढ़ के समाजसेवी श्री रामनरेश कौशल द्वारा सम्पादित दिया गया। इस अवसर पर अमेठी आदर्श विकास समिति के अध्यक्ष श्री रामसहाय कौशल ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर विशिष्ट समाजसेवियों का स्वागत किया। समारोह में लगभग आठ हजार लोग उपस्थित थे।

बारुन बाजार के समाजसेवी एवं नगर सेठ गुरु चरन लाल कौशल द्वारा इस वर्ष का तीसरा विशाल भोज बारुन बाजार जि. अयोध्या में 25-26 नवम्बर 2023 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम आयोजन में महाराजा मणिकुण्डल सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष एवं उ0प्र0 अयोध्यावासी वैश्य महासभा के कार्याध्यक्ष श्री शिवकुमार कौशल की भी मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर महासभा निदेशक श्री उमा शंकर गुप्त (कानपुर) महासभा कार्याध्यक्ष डा. अजय गुप्ता (लखनऊ), मनोज गुप्ता गुड्डू (राष्ट्रीय अध्यक्ष-नवयुवक संघ), सुशील गुप्ता (कानपुर-प्रदेश कोषाध्यक्ष), राम सेवक सर्राफ (नगर अध्यक्ष- मणिकुण्डल सेवा संस्थान, कानपुर), देशराज कौशल (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष-महासंघ), घन श्याम कौशल (नेपाल), लालजी कौशल (राष्ट्रीयमंत्री उपाध्यक्ष-संस्थान) इत्यादि विशिष्ट समाजसेवी भी उपस्थित हुआ। समारोह में 51 समाजसेवियों को माल्यार्पण, उत्तरीय एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया गया। ■■■

मणिकुण्डल जयंती एवं मूर्ति स्थापना हेतु प्राप्त समाचार

अयोध्यावासी वैश्यों के आदि पुरुष राम भक्त महाराजा मणिकुण्डल जी की जयंती पौष पूर्णिमा इस वर्ष 25 जनवरी को पड़ रही है। इस अवसर पर सम्पूर्ण देश से जयंती समारोह मनाने के समाचार प्राप्त हो रहे है। आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में पौष शुक्ल द्वादशी को प्रभु श्री राम लला की प्रतिष्ठा हो रही है। श्री रामभक्त मणिकुण्डल फाउण्डेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र कौशल जी ने सूचना दी है कि गुरूसहाय गंज (जिला कन्नौज) के श्रीराम मन्दिर में 22 जनवरी को भी श्री मणिकुण्डल जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी तथा भव्य जयंती समारोह रामजानकी मण्डपम जी.टी. रोड में 26 जनवरी 2024 को मनाया जायेगा।

इसी प्रकार बरेला तखतपुर (छत्तीसगढ़) के अध्यक्ष श्री राजेश गुप्ता जी ने सूचना दी है कि आगामी 28 जनवरी 2024 को बरेला तखतपुर स्थित समाज के नवनिर्मित तखत में मणिकुण्डल जी की विशाल प्रतिमा स्थापित कर भव्य जयंती समारोह मनाया जायेगा। इसी क्रम में 25 जनवरी को मणिकुण्डल वाटिका, मोतीझील, कानपुर में मणिकुण्डल प्रतिमा के समक्ष, जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रामभक्त मणिकुण्डल जी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता के सफल प्रतियोगियों को पुरस्कार भी प्रदान किया जायेगा। कानपुर देहात के पुखरायाँ कस्बे में आगामी 28 जनवरी को विशाल मणिकुण्डल जयंती समारोह मनाने की सूचना श्री पवन कौशल सर्राफ, सुशील गुप्ता, अऊआ जी, पिंकू गुप्ता ने दी।

श्री सुभाष गुप्ता ने कटनी में तथा अतुल गुप्ता ने नयनपुर जिला मंडला में दिनांक 25 जनवरी को मणिकुण्डल जयंती मनाने की सूचना प्रेषित की है। राजा भोज की नगरी और मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आगामी 26 जनवरी को महाराजा मणिकुण्डल जयंती अपने स्वाजातीय मंदिर में धूमधाम से मनाने की सूचना महिला मंडल की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती उषा गुप्ता तथा महिला मंडल की नगर अध्यक्ष श्रीमती अमिता गुप्ता ने दी है।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मणिकुण्डल जयंती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम श्री अयोध्यावासी वैश्य संगठन के अध्यक्ष श्री अमरचन्द्र गुप्ता के नेतृत्व में 26 जनवरी 2024 को धूमधाम से मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में अध्यक्ष राम सहाय कौशल जी ने सूचना दी है कि 30 जनवरी 2024 को जयंती पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें पूरे जनपद से महिला एवं पुरुष, समाजप्रेमी पधार रहे है।

अखिलेश गुप्ता द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार देश की राजधानी दिल्ली में भी 26 जनवरी 2024 को श्री मणिकुण्डल जयंती बड़े धूमधाम से मनायी जायेगी।

देश भर में जयंती समारोह की सूचनाये अभी और प्राप्त होनी है जिन्हें अगले अंक में समाचार के रूप में दिया जायेगा।

धर्मेन्द्र कौशल
गुरसहायगंज (उ.प्र.)

राजेश गुप्ता
तखतपुर बरेला (छत्तीसगढ़)

रामसेवक सर्राफ
कानपुर (उ.प्र.)

राम सहाय कौशल
अमेठी (उ.प्र.)

अमर चन्द गुप्ता
रायबरेली

अतुल गुप्ता
नैनपुर (म.प्र.)

अमिता गुप्ता
भोपाल (म.प्र.)

सुभाष गुप्ता
कटनी (म.प्र.)

पवन कौशल
पुखरायाँ (उ.प्र.)

अखिलेश गुप्ता
दिल्ली

अयोध्यावासी वैश्य समाज के समस्त पुरुष, महिला, युवा एवं बाल सदस्यों से निवेदन है कि हम सब त्रेताकाल से प्रभु श्रीराम के भक्त हैं। हमारे पूर्वजों ने उनके प्रेम एवं भक्ति के कारण ही अयोध्या से स्वयं प्रवजन अपनाया था। मुस्लिम शासकों एवं मुस्लिमपरस्त शासकों के कालखण्ड में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि पर जबरन बावरी ढांचा बना रहा। पाँच सौ वर्षो में कलंक की निशानी सहते हुये हमारे पूर्वजों की कई पीढ़ियाँ गोलोकवासी हो गई। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि तमाम संघर्ष के पश्चात श्रीरामजन्म भूमि पर भव्य राम मन्दिर बन रहा है और हम सब उसके प्रत्यक्षदर्शी हैं।

आगामी 22 जनवरी 2024 को श्री रामजन्म भूमि पर बने भव्य मन्दिर में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा है। इस अवसर पर हम अयोध्यावासी वैश्यों का कर्तव्य है कि जिस प्रकार प्रभु राम के अयोध्या आगमन पर दीपावली मनायी गयी थी, उसी प्रकार सभी लोग 22 जनवरी 2024 को प्रातः से अपने-अपने तोरण द्वार सजाकर रामनाम, भजन करे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखे और आनन्द प्राप्त करें। शाम को अपने घरों में, पूजन स्थलों में, मुहल्ले मे, मन्दिरो मे दीपक जलाकर अपनी रामभक्ति, राष्ट्रभक्ति का परिचय देकर मणिकुण्डल जी की रामभक्ति परम्परा को और अधिक जीवन्तता प्रदान करें। सिद्ध करे कि अयोध्यावासी वैश्य जहाँ है, श्रीराम वहाँ है।

।जय श्री राम, जय श्री मणिकुण्डल।।

श्रीमती माया गुप्ता
प्रदेश अध्यक्ष

श्रीमती वर्षा कौशल
प्रदेश महामंत्री

श्री अयोध्यावासी वैश्य महिला मंडल, उत्तर प्रदेश

शोक समाचार

कालचक्र के कालक्रम में तिरोहण होना एक शाश्वत प्रक्रिया है। परन्तु मानवमन अपनों के वियोग से क्षोभमय हो जाता है अपने अयोध्यावासी वैश्य समाज में हमारी कइ आत्मायें प्रभु मिलन हेतु प्रस्थान कर चुकी हैं। सभी के प्रति शोक संवेदना भ्रम करता हूँ और विष्णु लोक में उनकी आत्मा को शान्ति प्राप्त हो तथा शोकाकुल परिवार को धैर्य प्रदान हो, ऐसी कामना करता हूँ। कुछ शोक समाचार निम्न प्रकार है।

1. फर्रूखाबाद निवासी रामस्वरूप गुप्ता -वरिष्ठ समाजसेवी थे। फर्रूखाबाद के सामूहिक विवाह समारोह में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उनके निधन पर महामंत्री शोक संवेदना व्यक्त करती है।

2. चौबेपुर निवासी रामस्वरू गुप् उर्फ दरोगा का निधन हो गया है। सीधे, सरल एवं आत्मीय भाव रखने वाला रामस्वरूप जी के निधन पर महासभा शोक व्यक्त करती है।

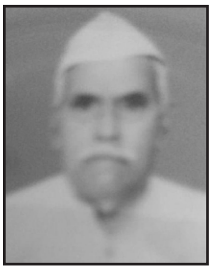

3.कानपुर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री मणिकुण्डल रत्न आदरणीय लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता का निधन उनके आवास ओमपुरवा में 05 सितम्बर 2023 को हो गया। उनकी शव यात्रा में सैकड़ों स्वजातीय बन्धुओं ने एवं शिक्षाविदो ने अरुपूरित श्रद्धांजलि दी।

4. दिनांक 26 नवम्बर 2023 का क्रर दिवस। इस दिन समाज को एक साथ दो अपूर्णनीय क्षति हुयी। रायबरेली निवासी समाज के उदारमान समाजसेवी राधेश्याम गुप्त की धर्मपत्नी का निधन हो गया। वे राधेश्याम जी को समाज एवं धर्म के प्रति प्रेरित करती रहती थी।

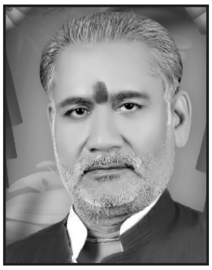

5. इसी प्रकार अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के निदेशक एवं श्री अयोध्यावासी वैश्य रामजानकी धर्मशाला चित्रकूट के प्रबन्धक श्री उमाशंकर गुप्ता (अतर्रा) का एक लम्बी बीमारी के पश्चात 26 नवम्बर 2023 को निधन हो गया वे व्यापार मण्डल सहित तमाम संगठनों से जुड़े थे। उनका निधन समाज की अपूर्णनीय क्षति हैं।

6.अखिल भारतवर्षीय श्री अयोध्यावासी वैश्य महासभा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. एस.के. दास, कानपुर का विगत 29 दिसम्बर 2023 को संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया।

उपरोक्त दिव्यआत्माओं के साथ-साथ इस मध्य दिवंगत सभी आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुऐ 8 दिसम्बर को अतर्रा में महासभा की बैठक हुई जिसमें सभी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

श्रद्धांजलि देते हुए महासभा के पदाधिकारीगण